नई दिल्ली। गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 273/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल आईएसआरएल सीजन 3 के लिए 21 देशों ...
@ विचार गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया जारी रहे लेकिन जनता...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद...

खबर झरोखा

फ्रांस के कगन और जापान के केन्सो को केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार



नई दिल्ली। 2026 के केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने फ्रांस के हेनरी बी. कगन और जापान के केन्सो सोआई को 'असिमेट्रिक ऑर्गेनिक सिंथेसिस इन नॉन-लीनियर इफेक्ट्स और ऑटो-कैटालिसिस की खोज' के लिए पुरस्कार दिया।

उन्होंने रसायन विज्ञान में 'मिरर इमेज' (दर्पण-प्रतिबिंब) चुनने की प्रक्रिया पर काम किया।

एमवी रोयाद मम्मादोव से बचाए गए तीन भारतीयों से मिले दूतावास के प्रतिनिधि

नई दिल्ली। रोमानिया स्थित भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि ने काला सागर हमले में घायल हुए 3 भारतीयों से मुलाकात की। बुधवार को तस्वीरों के साथ अपडेट दिया। बताया कि तीनों की हालत स्थिर है। दो को होटल में शिफ्ट कर दिया गया है जबकि एक का कॉन्स्टैन्टा अस्पताल में इलाज जारी है।

दूतावास ने एक्स प्लेटफॉर्म पर तस्वीरों के साथ एक बयान जारी किया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़क पर विपक्ष

हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया गया मानो हम अपराधी हों: प्रियंका

एजेंसी ■ नई दिल्ली





लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के अन्य नेताओं को पुलिस हिरासत से रिहा कर दिया गया है। विपक्षी नेता लगातार दूसरे दिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने के लिए जंतर-मंतर जा रहे थे। पुलिस ने उनको जंतर-मंतर पर जाते समय हिरासत में ले लिया था।

इस दौरान कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने कहा कि पुलिस सभी विपक्षी सांसदों पर बर्बर बल प्रयोग कर रही है, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। हम अंत तक लड़ेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ज्ञानेश कुमार और भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएं। हम विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। वे हमारी गरिमा पर हमला कर सकते हैं, लेकिन गरिमा हमारे शरीर में नहीं, हमारे मन में, हमारी विचारधारा में, हमारे मूल्यों में है। सिर्फ इसलिए कि उन्होंने हमारी गरिमा पर हमला किया है, हम पीछे नहीं हटेंगे।

कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि राहुल गांधी को जेड प्लस सुरक्षा दी गई है, फिर भी उन्हें अकेले एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह सरासर अन्याय है, कपड़े फाड़ दिए गए, प्रियंका गांधी को चोटें आईं और वह गिर गईं। हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया गया मानो हम अपराधी हों।

राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शन पर कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को जाना ही होगा। यह राहुल गांधी और कांग्रेस का फैसला है। हमने ऐसा कई जगहों पर किया है। हमने अतीत में भी ऐसा किया है और आगे भी करते रहेंगे।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार चुनाव जीतने के लिए ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग का इस्तेमाल करती थी। जब उनके लिए भी जीतना मुश्किल हो गया, तो उन्होंने बिहार, बंगाल और महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल शुरू कर दिया।

चुनाव आयोग का गठन देश के हर नागरिक के मताधिकार को सुनिश्चित करने के लिए किया गया था, लेकिन आज चुनाव आयोग का दुरुपयोग हो रहा है और भाजपा के खिलाफ वोट देने वाले लोगों के नाम चुनाव जीतने के लिए हटाए जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक मोहरा हैं, इसलिए पूरा देश केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ खड़ा है। अमित शाह के निर्देश पर कार्रवाई की गई और नेताओं को आतंकवादियों की तरह गाड़ियों में बिठाया गया। इस देश की जनता भाजपा को माफ नहीं करेगी। मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि ज्ञानेश कुमार को तुरंत बर्खास्त किया जाए।

कांग्रेस सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा कहते हैं कि कल जो कुछ हुआ, वह पूरी दुनिया ने देखा। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी इस बात पर नजर रख रहा है कि भारतीय लोकतंत्र खतरे में है। चुनाव आयोग अपने अहंकार के चलते उन 300 से अधिक सांसदों से मुलाकात नहीं कर रहा है जो उनसे बातचीत करने आए थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ पुलिस ने बहुत बुरा बर्ताव किया और हम इसके खिलाफ खड़े हैं।

बाजार में गिरावट का रुझान, रुपया ओवरवैल्यूड नहीं, बल्कि अंडरवैल्यूड हो सकता है: आरबीआई गवर्नर



एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि वित्तीय बाजार अल्पावधि में अक्सर तर्कसंगत तरीके से व्यवहार नहीं करते और कई संकेतक यह दर्शाते हैं कि भारतीय रुपया ओवरवैल्यूड नहीं बल्कि अंडरवैल्यूड हो सकता है।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि बाजार की धारणा और मुद्रा के बारे में निवेशकों की स्थिति हमेशा किसी मुद्रा के वास्तविक मूल्य को नहीं दर्शाती।

उन्होंने कहा, 'केवल लंबी अवधि में बाजार किसी मुद्रा का सही मूल्य निर्धारित कर पाते हैं।' यह टिप्पणी उन्होंने रुपए में लगातार कमजोरी की उम्मीदों और मुद्रा हेजिंग गतिविधियों को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में की।

आरबीआई गवर्नर के अनुसार, मुद्रा मूल्यांकन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कई मानक, विशेष रूप से रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट (आरईईआर), यह संकेत देते हैं कि भारतीय रुपया अत्यधिक मूल्यांकित नहीं है।

मल्होत्रा ने कहा, 'कई अनुमानों के अनुसार, जिनमें आरईईआर भी शामिल है, रुपया ओवरवैल्यूड नहीं है, बल्कि संभव है कि यह अंडरवैल्यूड हो।'

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब बाजार में यह सवाल उठाया जा रहा था कि भारत की मजबूत पूंजी आकर्षित करने की क्षमता के बावजूद निवेशक रुपए में और कमजोरी की संभावना क्यों देख रहे हैं। कई विश्लेषक हेजिंग पैटर्न और मुद्रा अनुमानों के आधार पर आगे भी रुपए के दबाव में रहने की संभावना जता रहे हैं।

भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न रुकूंगा; पीएम मोदी

पीएम-सीएम 25 साल पूरे, रिकॉर्ड बनाया





एजेंसी ■ नई दिल्ली

'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, 'जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।'

उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।'

उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो।

'25 साल में देश कहां पहुंचा, यह देखना जरूरी'

मोदी ने कहा, हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही रास्ता : भारत



नई दिल्ली। भारत ने बुधवार को एक बार फिर रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को ही आगे बढ़ने का रास्ता बताया। भारत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार लड़ाई खत्म करने की वकालत करते रहे हैं और स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता। नई दिल्ली में आयोजित साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही आगे का रास्ता है।

पीएम मोदी ने आडवाणी से लिया आशीर्वाद



एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सरकार के प्रमुख के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात कर आशीर्वाद लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने आडवाणी जी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी के दशकों लंबे सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के लिए उनके योगदान ने देश में अमिट छाप छोड़ी है। भारत की प्रगति को मजबूत बनाने में आडवाणी जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर 2026 को सरकार के प्रमुख के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था और बाद में वर्ष 2014 में भारत के प्रधानमंत्री बने, तब से वह लगातार शासन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों के नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और उनके नेतृत्व की सराहना की है। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें 'हमारे समय का अवतार' बताया।

वहीं, नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई संदेश भेजते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लगातार 25 वर्षों तक नेतृत्व करना एक दुर्लभ उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में यह उपलब्धि भारतीय जनता के प्रधानमंत्री मोदी पर अटूट विश्वास को दर्शाती है।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने बधाई देते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 वर्ष की अवधि पूरे होने पर मैं अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करना चाहती हूं। भारत के समाज और राष्ट्र के विकास को साकार करने के लिए वे वर्षों से प्रयास करते आए हैं ।

तमोरा के जंगल में वन अमले पर हमला, रेंजर समेत दो अधिकारी 5 घंटे बंधक

महासमुंद/बागबाहरा ■ परमिंदर माटा





वनपरिक्षेत्र बागबाहरा के तमोरा क्षेत्र में वनभूमि पर अतिक्रमण के मामले को लेकर वन अमले और कुछ लोगों के बीच विवाद के दौरान रेंजर समेत दो अधिकारियों के साथ मारपीट और उन्हें बंधक बनाए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना 6 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है।

संवाददाता से जानकारी के अनुसार, वनपरिक्षेत्राधिकारी नवीन वर्मा अपने स्टाफ उपवनक्षेत्रपाल नवीन शर्मा, वनरक्षक टोमन दीवान, वॉचर महेश चंद्राकर, वॉचर पूनम साहू और चालक हरदेव वर्मा के साथ ढोड परिसर के कक्ष क्रमांक 95-96 में जंगली सुअर के अवैध शिकार और वन्य मांस के अवैध विक्रय की सूचना पर रात्रि गश्त पर निकले थे।

बताया गया है कि इसी दौरान तमोरा क्षेत्र में वनभूमि पर अतिक्रमण करने वाले कुछ लोगों से वन अमले का विवाद हो गया। आरोप है कि संबंधित लोगों ने वन अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की धमकी दी और बाद में लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचकर वन अमले को घेर लिया। संख्या अधिक होने के कारण कुछ कर्मचारी वहां से सुरक्षित स्थान की ओर चले गए, जबकि रेंजर नवीन वर्मा और उपवनक्षेत्रपाल नवीन शर्मा मौके पर रह गए।

प्रधानमंत्री मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष देश के विकास और परिवर्तन की प्रेरक यात्रा : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

विश्व केसरी



रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन प्रमुख के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज राजधानी रायपुर में सेवा, संकल्प और राष्ट्र निर्माण की भावना से ओतप्रोत 'विकसित भारत संकल्प सभा' एवं 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के जिला मुख्यालयों सहित कुल 38 स्थानों पर 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने राजधानी रायपुर के तेलीबांधा चौक को भी 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के रूप में विकसित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ये संकल्प चौक जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प के प्रतीक बनेंगे। ये आने वाली पीढ़ियों को यह प्रेरणा देंगे कि राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया। इसके पश्चात उन्होंने हाथों में मशाल लेकर 'सेवा ज्योति यात्रा' का नेतृत्व किया और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से प्रारंभ हुई यह यात्रा तेलीबांधा चौक तक निकाली गई। बड़ी संख्या में नागरिकों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक यात्रा में सहभागिता की।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्ष का सेवाकाल राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा

मुख्यमंत्री साय ने विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनके निरंतर सेवाकाल के आज 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन 25 वर्षों की यात्रा जनसेवा, सुशासन, विकास और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण की यात्रा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं को देश का 'प्रधान सेवक' मानते हैं। देश के 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं और उनके बेहतर भविष्य की चिंता करते हुए वे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं उनके नेतृत्व में भारत ने विकास के प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है और आज पूरी दुनिया भारत के बढ़ते सामर्थ्य और नेतृत्व को देख रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के जनसेवा के प्रति समर्पण को सम्मान देने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

सेवा संकल्प अभियान में प्रदेशभर की भागीदारी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में एक माह का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है।

सीईसी के इस्तीफे के मांग, कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



विश्व केसरी

रायपुर। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक उमेश रगड़े के नेतृत्व में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम रायपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी

ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस सीईसी विभाग के प्रदेश सचिव उमेश यादव, ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री कन्हैया शर्मा, इंटक जिला महासचिव अभिषेक सोनी, इंटक जिला सचिव प्रकाश देवांगन, यशवर्धन पुरोहित, योगेश रगड़े, कपिल शांडेकर, गोलू सोनवानी, ब्रम्हाण्डे बघेल, अभिषेक रगड़े एवं कालू महानंद उपस्थित रहे।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों से कुलपति ने किया संवाद

विश्व केसरी



रायपुर । इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर मुख्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय, रायपुर, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम गरिमामय समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे द्वारा कुलपति एवं उपस्थित विशिष्ट अतिथियों के स्वागत से किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. आर. पी. कुजूर, शैक्षणिक प्रभारी, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अकादमिक नियमों, परीक्षा प्रक्रिया, छात्र कल्याण, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, ह्स्स्, ह्ष्ट्ष्ट, छात्रवृत्ति, करियर एवं अन्य अवसरों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम की निर्धारित रूपरेखा में भी इन विषयों पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा सत्र आयोजित किए गए थे।

इस अवसर पर अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. आरती गुहे ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विश्वविद्यालय एवं कृषि महाविद्यालय, रायपुर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश उनके जीवन के एक नए एवं महत्वपूर्ण अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस नए परिवेश को सीखने, स्वयं को विकसित करने तथा अपने सपनों को साकार करने के अवसर के रूप में देखें।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नियमित अध्ययन की आदत विकसित करें, अपने शिक्षकों एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों से मार्गदर्शन प्राप्त करें तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करें।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, समय प्रबंधन, परिश्रम, ईमानदारी एवं सकारात्मक सोच सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलताओं से निराश न होने तथा प्रत्येक चुनौती को सीखने और आगे बढ़ने के अवसर के रूप में स्वीकार करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

यूसीसी पर महिलाओं ने रखी बेबाक राय

लिव-इन के पंजीयन, पैतृक संपत्ति में बराबरी और भरण-पोषण पर एक समान कानून की मांग

विश्व केसरी



रायपुर। छत्तीसगढ़ महिला मंच और महाराष्ट्र मंडल महिला समिति की पदाधिकारियों व सदस्यों ने समान नागरिक संहिता समिति के समक्ष विवाह, विवाह-विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील व व्यावहारिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में यूसीसी समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री एम.के. राऊत और वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार ने महिलाओं द्वारा दिए गए सभी व्यावहारिक और कानूनी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें उन पर विचार करने का पूर्ण आश्वासन दिया।

लैंगिक समानता और संपत्ति अधिकार

शताब्दी पाण्डेय ने धर्म आधारित कानूनों में बदलाव की वकालत करते हुए पैतृक व व्यक्तिगत संपत्ति में महिला और पुरुष को समान अधिकार देने, भरण-पोषण के नियम एक समान बनाने और आपसी सहमति से तलाक की प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की। छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बहुल प्रदेश होने के कारण संबंधित समुदायों की परंपराओं, नीतियों, रीति-रिवाजों और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए व्यापक विचार-विमर्श पर सहमति बनी। साथ ही, पंचायतों में कानूनी सलाह के लिए विशेष डेस्क बनाने की मांग रखी ।

श्वेता पड्डा ने महिलाओं के शोषण पर प्रभावी रोकथाम के लिए लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीयन को अनिवार्य बनाने की मांग की। साथ ही, लिव-इन से जन्मे बच्चों को पालन-पोषण और उत्तराधिकार का पूरा अधिकार मिलने तथा जैविक पहचान सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

अधिवक्ता सुचित्रा वर्धन ने स्पष्ट किया कि केवल आपसी सहमति (एग्रीमेंट) के आधार पर महिला-पुरुष का साथ रहना भारतीय कानून में मान्य नहीं है, इसलिए इस पर स्पष्टता जरूरी है। अधिवक्ता हेमलता सिंह ने यूसीसी का मुख्य उद्देश्य कानूनी भेदभाव को समाप्त कर व्यवस्था को सरल बनाना बताया। गीता श्याम दलाल ने एक राष्ट्र, एक कानून का समर्थन करते हुए कहा कि अपराधी को धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, जबकि सभी को अपनी परंपराओं को मानने की स्वतंत्रता हो। आस्था अभय काले ने कहा कि यह व्यवस्था समाज के अंतिम छोर पर खड़ी कमजोर महिलाओं तक पहुँचनी चाहिए, जिसके लिए महिलाओं का जागरूक होना सबसे पहले आवश्यक है।

आंजनेय यूनिवर्सिटी में एआईसीटीई प्रायोजित अटल कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

विश्व केसरी

रायपुर। आंजनेय यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ साइंस के डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स एवं डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी द्वारा एआईसीटीई प्रायोजित अटल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'ब्लू इकोनॉमी : ए पाथवे टू सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड इंडियाज़ इकोनॉमिक ग्रोथ' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में ब्लू इकोनॉमी के विभिन्न आयामों, जल एवं समुद्री संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरणीय सुरक्षा तथा सतत विकास में उनकी भूमिका पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एल. के. परगनिहा, गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. एन. मरिमुथु, डायरेक्टर जनरल डॉ. बी. सी. जैन, कुलपति डॉ. टी. रामाराव, डायरेक्टर डॉ. जयेंद्र नारंग, डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. संध्या वर्मा एवं रजिस्ट्रार डॉ. रुपाली चौधरी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्लॉट का कब्जा नहीं मिला, बुकिंग भी रद्द; वत्सल्य डेवलपर्स को 33 लाख लौटाने का आदेश

विश्व केसरी

रायपुर । रायपुर के सेजबहार स्थित वत्सल्य डेवलपर्स से जुड़े प्लॉट बुकिंग मामले में छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (CGRERA) ने आबंटी के पक्ष में आदेश जारी किया है। प्राधिकरण ने डेवलपर को आबंटी से प्राप्त 15 लाख 9 हजार 300 रुपये की मूल राशि के साथ 18 लाख 60 हजार 956 रुपये ब्याज के रूप में लौटाने के निर्देश दिए हैं। इस तरह कुल 33 लाख 70 हजार 256 रुपये का भुगतान करना होगा।

2012 में बुक किया था आवासीय प्लॉट

प्रकरण के अनुसार, आबंटी ने वर्ष 2012 में वत्सल्य डेवलपर्स के साथ अनुबंध कर आवासीय प्लॉट बुक कराया था। इसके बाद 2012 से 2015 के बीच निर्धारित शर्तों के तहत आबंटी ने डेवलपर को किस्तों में कुल ?15,09,300 का भुगतान किया। आबंटी की ओर से निर्धारित राशि का भुगतान किए जाने के बावजूद संबंधित प्लॉट का कब्जा नहीं मिलने को लेकर विवाद सामने आया।

बुकिंग रद्द करने को लेकर भी विवाद

मामले में आबंटी की ओर से यह शिकायत की गई कि लंबे समय तक प्लॉट का कब्जा नहीं मिलने के बाद डेवलपर ने उसकी बुकिंग बिना पूर्व सूचना के निरस्त कर दी। इसके बाद जमा राशि की वापसी और अपने हितों की सुरक्षा के लिए आबंटी ने CGRERA का रुख किया।

दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच के बाद फैसला

मामले की सुनवाई के दौरान प्राधिकरण ने प्रस्तुत दस्तावेजों और उपलब्ध रिकॉर्ड का परीक्षण किया। इसके बाद CGRERA ने डेवलपर को आबंटी की मूल जमा राशि के साथ उस पर निर्धारित ब्याज का भुगतान करने का निर्देश दिया। आदेश के अनुसार, 15,09,300 मूल राशि और 18,60,956 ब्याज के रूप में भुगतान किया जाना है। दोनों रकम मिलाकर कुल 33,70,256 आबंटी को वापस करने होंगे।

आबंटियों के अधिकारों के लिए अहम आदेश

यह आदेश रियल एस्टेट परियोजनाओं में आबंटियों के अधिकारों के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

सड़क पर मवेशियो को देख भड़के उप मुख्यमंत्री

सड़क पर गौवंश की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नियमित पेट्रोलिंग के सख्त निर्देश

विश्व केसरी



रायपुर। कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर सड़क के बीच पशुओं को बैठे देखकर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने गंभीर नाराजगी जताई। कवर्धा जाते समय सड़क पर पशुओं को देखकर उन्होंने बेमेतरा टोल प्लाजा के पास मंगलवार को देर रात अपना वाहन रुकवाया और तत्काल विभागीय अधिकारियों से मोबाइल पर बात कर हाइवे पेट्रोलिंग व्यवस्था की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप पेट्रोलिंग वाहन द्वारा किए जा रहे नियमित निरीक्षण के संबंध में पूछा। अधिकारियों ने बताया कि हाइवे पेट्रोलिंग वाहन द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस पर शर्मा ने पेट्रोलिंग वाहन को मौके पर बुलवाया और अब तक किए गए पशु रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ ही प्रतिदिन किए जा रहे निरीक्षण एवं अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कवर्धा से बेमेतरा तक पड़ने वाले ग्रामों के स्थानीय लोगों के माध्यम से पेट्रोलिंग वाहन की गतिविधियों की नियमित जानकारी ली जाए।

सड़क पर पशुओं की मौजूदगी को लेकर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाइवे पर नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए और सड़क पर बैठे अथवा विचरण कर रहे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कार्रवाई तत्परता से की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

शर्मा ने कहा कि सड़क पर पशुओं के रहने से न केवल गौवंश की जान को खतरा रहता है, बल्कि वाहन चालकों और यात्रियों के लिए भी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेषकर रात्रि के समय दृश्यता कम होने के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। इसलिए पेट्रोलिंग दल लगातार मार्ग का निरीक्षण करे और पशुओं के दिखाई देते ही उन्हें सुरक्षित तरीके से सड़क से हटाया जाए।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा और गौवंश की रक्षा के कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पेट्रोलिंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने और इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

ओरिएंटल इंश्योरेंस पर 3 साल के लिए प्रतिबंध

विश्व केसरी



रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने शासकीय हेलीकॉप्टर के बीमा दावे के निराकरण में चार साल से अधिक समय तक हुई देरी के मामले में कड़ा कदम उठाते हुए द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (OICL) को तीन वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। विमानन संचालनालय ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए कंपनी के विरुद्ध यह कार्रवाई की है।

मामला मई 2022 में रायपुर एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हुए राज्य शासन के हेलीकॉप्टर से संबंधित है। राज्य शासन द्वारा हेलीकॉप्टर का बीमा ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से कराया गया था और निर्धारित बीमा प्रीमियम का पूर्ण भुगतान किया गया था। दुर्घटना के बाद राज्य शासन की ओर से बीमा दावा प्रस्तुत किया गया, लेकिन कंपनी द्वारा इस दावे को चार वर्ष से अधिक समय तक लंबित रखा गया और अंततः अगस्त 2026 में इसे अस्वीकार कर दिया गया।

विमानन संचालनालय ने पूरे प्रकरण के परीक्षण में पाया कि सार्वजनिक संपत्ति से जुड़े बीमा दावे के निराकरण में अत्यधिक विलंब हुआ और राज्य शासन के प्रकरण के निपटारे में कंपनी का रवैया असंगत रहा। शासन ने इसे सार्वजनिक धन और शासकीय हित से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए कार्रवाई की है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36060..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36060
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222A00318** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **AFRIN BANO CHANGAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **MO. SADAM HUSAIN CHANGAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती अब्दुल अजीज मेमन पिता / पति श्री श्रीमती श्री अब्दुल रज्जाक मेमन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36058..../ न. पा. नि. / जोन क्रं- 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36058
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222B00058** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MR.VISHRAM JI S/O MEGHJI CHAWDA KABIZ - MRS. MANORAMA DEVI W/O A.S UPADDHYAY** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री मदन लाल लोढ़ा पिता/पति श्री श्रीमती पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /स्व. श्री चंदन मल लोढ़ा पंजीकृत पंजीकृत विक्रय विक्रय विलेख विलेख ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36062..../ न. पा. नि. / जोन क्रं- 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36062
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR222A00187 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KABIZ MEHATTAR** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **श्री भोला निषाद** पिता/पति श्री श्रीमती दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36064..../ न. पा. नि. / जोन क्रं- 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36064
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222B00256** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MRS. SHAMIM BANO** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **अलीम मुल्ला अंसारी** पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. **श्री अब्दुल सत्तार अंसारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36067..../ न. पा. नि. / जोन क्रं- 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36067
वार्ड का नाम -35 हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 35 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR436G00125** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KANIZ SHAHZADI** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती असलम खान पिता/पति श्री श्रीमती स्व. शब्बीर खान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, रशी रशीद / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36099..../ न. पा. नि. / जोन क्रं- 2/2026
रायपुर, दिनांक 07-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36099
वार्ड का नाम - 26 दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 26 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR109A00097 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SHADU RAM GAYKWAD पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती **ललिता गायकवाड** पिता/पति श्री श्रीमती **स्व. साधुराम गायकवाड** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सत्यापन, मृत्यु प्रमाण पत्र, बैनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारत और नॉर्वे ने ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत और नॉर्वे ने मंगलवार को ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने और भारत-ईएफटीए व्यापार को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। यह चर्चा तब हुई जब विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नॉर्वे के विदेश मंत्रालय की राज्य सचिव एस्ट्रिड बर्गमाल से मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, 'सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नई दिल्ली में नॉर्वे के विदेश मंत्रालय की राज्य सचिव एस्ट्रिड बर्गमाल से मुलाकात की।'

मंत्रालय ने आगे कहा, 'उन्होंने भारत-नॉर्वे ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने, भारत-ईएफटीए व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने तथा मत्स्य पालन और आर्कटिक में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।'

पिछले महीने भारत में नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर ने भारत और नॉर्वे के बीच संबंधों की सराहना करते हुए कहा था कि दोनों देशों के बीच संबंध दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं और मजबूत हो रहे हैं।

आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में स्टेनर ने कहा कि भारत और नॉर्वे के बीच साझेदारी साझा मूल्यों और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था में विश्वास पर आधारित है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ओस्लो में हुए नॉर्डिक-भारत शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के बीच हुई मुलाकात को भी याद किया।

भारत-नॉर्वे संबंधों पर बात करते हुए राजदूत मे-एलिन स्टेनर ने कहा, 'नॉर्वे और भारत के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं, और यह एक ऐसा संबंध है जो दिन-ब-दिन बढ़ रहा है और मजबूत हो रहा है। जिन व्यावसायिक संबंधों के बारे में मैं पहले ही बात कर चुकी हूं, वे मजबूत हो रहे हैं। हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंध बढ़ रहे हैं, और इसे देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।'

उन्होंने आगे कहा, 'इसके अलावा, जैसा कि हमारे प्रधानमंत्रियों ने नॉर्वे में और अन्य नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों ने मई में ओस्लो में नॉर्डिक-भारत शिखर सम्मेलन में मुलाकात के दौरान कहा था, यह साझेदारी मूल्यों पर भी आधारित है। हम सभी लोकतांत्रिक देश हैं। इसलिए यह साझा मूल्यों पर आधारित है। हम सभी नियम-आधारित विश्व व्यवस्था में विश्वास करते हैं और एक ऐसी दुनिया में इन मुद्दों पर भारत के साथ काम करके खुश हैं।

आईएमएफ की चेतावनी, 2027 तक जारी रह सकती हैं तेल की ऊंची कीमतें

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अगर खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जल्द खत्म भी हो जाता है, तो ऊर्जा की ऊंची कीमतें 2027 तक बनी रह सकती हैं। यह चेतावनी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से बुधवार को दी गई।

आईएमएफ ने कहा कि तेल की कीमत करीब 100 डॉलर प्रति बैरल बनी हुई है, जबकि रिफाइनिंग क्षमता और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर दबाव महंगाई बढ़ा रहा है और वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर डाल रहा है।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि अब तक अधिक दक्षता, ईंधन के विविध स्रोतों, आपातकालीन योजनाओं, रणनीतिक भंडार से आपूर्ति जारी करने और मांग-आपूर्ति में बदलाव के कारण ऊर्जा संकट का असर सीमित रहा है। हालांकि, महत्वपूर्ण जोखिम अभी भी बने हुए हैं।

थाईलैंड में अगले सप्ताह होने वाली आईएमएफ-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों से पहले सिंगापुर में जॉर्जीवा ने कहा, 'खाड़ी क्षेत्र से आपूर्ति बहाल होने की अनिश्चितता के बीच तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल बनी हुई हैं। इसमें जोखिम, परिवहन की ऊंची लागत और अन्य कारक भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दबाव सिर्फ कच्चे तेल तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर रिफाइनिंग क्षमता की संरचनात्मक कमी के कारण क्रैक स्प्रेड यानी कच्चे तेल की कीमत और उससे बनने वाले रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य के बीच का अंतर लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि इसका परिणाम डीजल और अन्य रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों की रिकॉर्ड खुदरा कीमतों के रूप में सामने आया है।

खाड़ी क्षेत्र से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित है, क्योंकि जब तक होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही पर खतरा बना हुआ है, तब तक एलएनजी (एलएनजी) के परिवहन के विकल्प सीमित रहेंगे।

आयुष्मान भारत ने दिया स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवचः ब्रजेश पाठक

विश्व केसरी■



लखनऊ। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सफलतापूर्वक आठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'आयुष्मान संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि 'आयुष्मान भारत' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प को साकार करते हुए करोड़ों गरीब एवं वंचित परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच बना है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र परिवार तक आयुष्मान योजना का लाभ पहुंचाना है। इसके साथ ही मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए अस्पतालों की गुणवत्ता, फायर सेफ्टी, चिकित्सकों की उपलब्धता तथा डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड जैसी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए डेटा एनालिटिक्स, फील्ड ऑडिट और तकनीक आधारित निगरानी को मजबूत किया गया है। संदिग्ध क्लेम और अनियमितताओं की पहचान कर नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों के विरुद्ध निलंबन, डी-एम्पैनलमेंट, आर्थिक दंड और रिकवरी जैसी कार्रवाई की जा रही है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार का स्पष्ट संदेश है कि गरीब और जरूरतमंद मरीज का अधिकार सर्वोपरि है। अच्छा कार्य करने वाले अस्पताल सरकार के सहयोगी हैं।

बिहारः नालंदा विश्वविद्यालय में 'विश्वरंग नालंदा 2026' की शुरुआत

विश्व केसरी■



राजगीर। बिहार के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में बुधवार को 'विश्वरंग नालंदा 2026' का शुभारंभ हुआ। 'पूर्वोत्तर भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया: भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं कला का संवाद' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत और एशिया के बीच ऐतिहासिक एवं समकालीन संबंधों को भाषा, साहित्य, संस्कृति और कला के माध्यम से समझने तथा नए संवाद को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

विश्वरंग फाउंडेशन, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल और नालंदा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. संतोष चौबे, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के उप महानिदेशक डॉ. राजेश रंजन, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सचिव के. श्रीनिवास और मुख्य वक्ता मुकुल कानिटकर ने विचार रखे। कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि यह आयोजन नालंदा की उस परंपरा का विस्तार है, जिसमें ज्ञान, उसके वर्तमान उपयोग और भविष्य की संभावनाओं को एक साथ देखने का प्रयास किया जाता है।

उन्होंने नालंदा को केवल विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि ज्ञान और चेतना का स्रोत बताया। उन्होंने भाषायी सीमाओं से आगे बढ़ने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देते हुए बताया कि भाषिणी के सहयोग से हिंदी में दिए गए वक्तव्य का अंग्रेजी और संस्कृत में रियल-टाइम अनुवाद प्रदर्शित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एशिया के बीच वास्तविक जुड़ाव केवल भौतिक अवसंरचना से नहीं, बल्कि लोगों, ज्ञान परंपराओं और सांस्कृतिक समझ के स्तर पर भी होना चाहिए।

आईसीसीआर के उप महानिदेशक डॉ. राजेश रंजन ने कहा कि ज्ञान तभी आगे बढ़ता है, जब वह राष्ट्रीय सीमाओं से परे जाकर संवाद और संबंध स्थापित करता है। उन्होंने पूर्वोत्तर भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण सांस्कृतिक क्षेत्र के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने बोडो, असमिया, मणिपुरी, खासी और विभिन्न नागा भाषाओं के संस्कृत, पाली, बर्मी और थाई जैसी भाषाओं के साथ ऐतिहासिक संवाद का उल्लेख किया।

डॉ. संतोष चौबे ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को केंद्र में रखते हुए कहा कि भारत की विभिन्न भाषाएं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां अलग-अलग होते हुए भी साझा सभ्यतागत जड़ों से जुड़ी हैं।

उन्होंने किसी भाषा को श्रेष्ठ या पिछड़ा मानने के बजाय उसकी गरिमा और सांस्कृतिक योगदान को समझने पर जोर दिया पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सचिव के. श्रीनिवास ने पूर्वोत्तर भारत को भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच महत्वपूर्ण 'हिंज' बताते हुए भाषा को संस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक स्मृति का वाहक बताया। उन्होंने 'एक्ट ईस्ट' की भावना को सांस्कृतिक संपर्कों से जोड़ते हुए भारतीय ज्ञान परंपराओं के डिजिटल संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की गई कार्रवाई में 101 गिरफ्तार

विश्व केसरी■



हैदराबाद। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने दक्षिण भारत में चलाए गए एक समन्वित और व्यापक बहु-राज्यीय साइबर अपराध अभियान में 18 महिलाओं सहित 101 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही लगभग 17 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी वाले लेनदेन का पता लगाया गया है।

टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने बुधवार को बताया कि दो सप्ताह तक चलने वाला यह अभियान 23 सितंबर को शुरू हुआ और केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और पुडुचेरी राज्यों में चलाया गया। इसका लक्ष्य विभिन्न प्रकार के साइबर वित्तीय अपराधों में शामिल व्यक्तियों और नेटवर्क को निशाना बनाना था।

टीजीसीएसबी द्वारा चलाया गया यह दूसरा समवर्ती बहु-राज्यीय अभियान है, जो राज्य सीमाओं के पार काम करने वाले और कई अधिकार क्षेत्रों का फायदा उठाने वाले साइबर अपराध नेटवर्क की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के उसके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

गोयल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि समन्वित जमीनी कार्रवाई के लिए 100 से अधिक टीजीसीएसबी कर्मियों वाली छह विशेष टीमें तैनात की गईं।

गिरफ्तार किए गए लोगों में से 19 की पहचान एजेंट के रूप में और 81 की पहचान अवैध लेन-देन खाताधारकों के रूप में हुई।

केरल से 35 गिरफ्तारियां हुईं, जबकि आंध्र प्रदेश से 22, कर्नाटक से 17, तमिलनाडु से 14, तेलंगाना से 12 और पुडुचेरी से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

इस अभियान के परिणामस्वरूप कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंक पासबुक और चेकबुक भी जब्त किए गए, जिनका कथित तौर पर विभिन्न धोखाधड़ी वाले लेन-देन में इस्तेमाल किया गया था।

लगभग 17 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी वाले लेन-देन का पता फर्जी खातों के माध्यम से लगाया गया।जांच से पता चला कि आरोपी विभिन्न आयु वर्ग, पेशे और शैक्षणिक पृष्ठभूमि से थे।

दवाई के लिफाफों पर हिंदी, तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री का डीएमके पर हमला, राजनीति का आरोप

विश्व केसरी■



चेन्नई। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के.जी. अरुणराज ने सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में दवाइयों के लिफाफों पर हिंदी के इस्तेमाल को लेकर डीएमके पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि करूर और कोयंबटूर के सरकारी अस्पतालों में इस्तेमाल किए जा रहे विवादित लिफाफे डीएमके सरकार के कार्यकाल में तैयार और स्वीकृत किए गए थे।

मंत्री ने एक बयान में कहा कि सरकार के संज्ञान में मामला आने के तुरंत बाद दोनों अस्पतालों में इन लिफाफों का इस्तेमाल रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने पिछली सरकार से मिले लिफाफों के डिजाइन या उनमें इस्तेमाल की गई भाषाओं में कोई बदलाव नहीं किया है।

अरुणराज ने आरोप लगाया कि डीएमके इन लिफाफों की खरीद से जुड़े तथ्यों को छिपाकर मौजूदा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने डीएमके के विरोध को राजनीतिक लाभ के लिए भाषा की भावनाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश बताया।

करूर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का हवाला देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आम तौर पर दवाइयों के लिफाफे केंद्रीय जेल की ओर से उपलब्ध कराए जाते हैं। इन लिफाफों पर सुबह, दोपहर और रात में दवा लेने से संबंधित निर्देश केवल तमिल भाषा में होते हैं।

उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में जेल से मिलने वाले लिफाफों की कमी होने के कारण तत्काल चार लाख लिफाफों का ऑर्डर ईरोड जिला प्रिंटिंग इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी को दिया गया था। मंत्री के अनुसार, यह ऑर्डर 31 दिसंबर 2025 को पिछली डीएमके सरकार के कार्यकाल में दिया गया था और जनवरी 2026 में, जब वही सरकार सत्ता में थी, मरीजों को ये लिफाफे बांटे गए थे।

कोयंबटूर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल को लेकर अरुणराज ने कहा कि विवादित प्रारूप वाले लिफाफे चिंतामणि कोऑपरेटिव सोसाइटी के माध्यम से छपवाए गए थे। उन्होंने दावा किया कि इसके लिए प्रशासनिक मंजूरी भी करीब तीन साल पहले डीएमके सरकार के कार्यकाल में दी गई थी।

स्वास्थ्य मंत्री ने सवाल उठाया कि जिस प्रारूप को पिछली डीएमके सरकार ने मंजूरी दी और मरीजों के बीच वितरित कराया, उसी के लिए वह मौजूदा सरकार पर आरोप कैसे लगा सकती है।

रक्षा मंत्रालय ने प्रूफ- फील्ड फायरिंग रेंज की एसओपी को मंजूरी दी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय की प्रूफ रेंज, फील्ड फायरिंग रेंज और परीक्षण सुविधाओं के इस्तेमाल के संशोधित स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय रक्षा उद्योग के लिए यह स्वीकृति प्रदान की है। नई व्यवस्था का मकसद है कि स्वदेशी रक्षा तकनीक को परीक्षण के लिए जरूरी सुविधाएं आसानी से मिलें और कागजी प्रक्रिया में कम समय लगे। यानी देश में अगर कोई भारतीय कंपनी नया हथियार, रक्षा उपकरण या सैन्य तकनीक विकसित करती है, तो उसका परीक्षण सरलता से हो सकेगा।

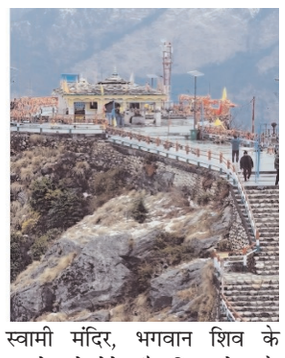
बता दें कि हथियारों का परीक्षण उसके सबसे जरूरी चरणों में से एक होता है। इसी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने यह बड़ा कदम उठाया है। सबसे बड़ी राहत आईडीईएक्स, टीडीएफ, मेक और रक्षा मंत्रालय की अन्य विकास परियोजनाओं को मिलेगी। इन परियोजनाओं के लिए प्रूफ और परीक्षण शुल्क माफ कर दिया गया है। यानी देश में नई रक्षा तकनीक विकसित करने वाली परियोजनाओं को परीक्षण के दौरान शुल्क की चिंता नहीं करनी होगी।

संशोधित प्रक्रिया में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारतीय रक्षा उद्योग किन-किन प्रूफ रेंज, फील्ड फायरिंग रेंज और प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकता है। इनमें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), सरकारी गुणवत्ता आश्वासन एजेंसियों और तीनों सेनाओं के पास उपलब्ध सुविधाएं शामिल हैं। जहां परीक्षण शुल्क लागू होगा, वहां उसके निर्धारण और भुगतान की प्रक्रिया भी स्पष्ट कर दी गई है। इससे कंपनियों के लिए दस्तावेजी प्रक्रिया आसान होगी और उन्हें पहले से पता रहेगा कि परीक्षण के लिए क्या प्रक्रिया अपनानी है।

नई व्यवस्था में विवादों के समाधान का तरीका भी बदला गया है। पहले मध्यस्थता का प्रावधान था, जिसे अब हटाकर सरल सुलह समझौते की व्यवस्था लाई गई है। इससे उद्योग और संबंधित सरकारी संस्थाओं के बीच किसी मुद्दे पर विवाद होने की स्थिति में उसका तेजी से समाधान किया जा सकेगा। संशोधित प्रक्रिया में एक खास प्रावधान किया गया है।

क्रोंच पर्वत पर बसा कार्तिक स्वामी मंदिर, जहां मूर्ति नहीं अस्थियों की होती है पूजा

विश्व केसरी■



देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में अनेक रहस्यमयी और पौराणिक मंदिर स्थित हैं, जिनमें कार्तिक स्वामी मंदिर का अपना एक विशेष धार्मिक महत्व है। मंदिर के शिखर से त्रिशूल, नंदा देवी और चौखंबा जैसी बर्फ से ढकी हिमालय की भव्य चोटियों के अद्भुत नजारे दिखाई देते हैं।

गौरतलब है कि इस मंदिर में भगवान कार्तिकेय की मूर्ति की जगह उनकी पवित्र अस्थियों (शिला रूप में) की पूजा की जाती है। बुधवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस मंदिर के बारे में बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'रुद्रप्रयाग जिले में मौजूद कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान शिव के सबसे बड़े बेटे और दिव्य सेना के कमांडर भगवान कार्तिकेय को समर्पित एक दिव्य और पवित्र जगह है। ऊंचे पहाड़ों के बीच बसा यह मंदिर अपनी आध्यात्मिक आभा, पुरानी धार्मिक मान्यताओं और चारों ओर से फैली मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के कारण एक खास जगह रखता है।

उन्होंने लिखा, 'आस्था, प्रकृति और हिमालयी संस्कृति का यह अनोखा संगम उत्तराखंड की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। आपको भी रुद्रप्रयाग की अपनी यात्रा के दौरान इस पवित्र मंदिर के दर्शन जरूर करने चाहिए।'

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में क्रोंच पर्वत के शिखर पर स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र भगवान कार्तिकेय को समर्पित एक प्रसिद्ध और पवित्र धार्मिक स्थल को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलित है, जिसके अनुसार, जब भगवान कार्तिकेय और गणेश जी को ब्रह्मांड के चक्कर लगाने को कहा गया, तो कार्तिकेय जी यात्रा पर निकल गए और गणेश जी ने माता-पिता की परिक्रमा कर उन्हें ही अपना ब्रह्मांड माना।

संपादकीय

जाएं तो जाऐ कहाँ...समझेगा कौन यहाँ दर्द भरे दिल की जुबां?

राकेश अचल

गत दिवस दिल्ली में जो हुआ, वह सिर्फ एक राजनीतिक प्रदर्शन की कहानी नहीं है.करीब 300 विपक्षी सांसद संसद से चुनाव आयोग के दफ्तर की तरफ बढ़े.कह रहे थे—हम चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते हैं, अपनी बात रखना चाहते हैं, सवाल पूछना चाहते हैं.

लेकिन रास्ते में पुलिस की बैरिकेडिंग थी.सांसद रोक दिए गए.

धरना हुआ.राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया.और सवाल फिर वही—आखिर जाएं तो जाएं कहाँ?

विपक्ष का कहना है कि वह देश के करोड़ों मतदाताओं की आवाज लेकर चुनाव आयोग तक आया था.लेकिन आयोग की ओर से शाम को कहा गया कि उसे किसी राजनीतिक दल से औपचारिक बैठक का अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ.

तो फिर असली सवाल यही है—क्या लोकतंत्र में शिकायत रखने के लिए सिर्फ औपचारिक आवेदन जरूरी है, या सामने खड़े निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से संवाद का कोई रास्ता भी होना चाहिए?और यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि जिस कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति होती है, उसकी चयन समिति में प्रधानमंत्री के साथ लोकसभा में विपक्ष के नेता भी सदस्य होते हैं.यानी नियुक्ति की प्रक्रिया में विपक्ष को जगह देने वाली व्यवस्था है.

लेकिन आज वही विपक्ष चुनाव आयोग के दरवाजे तक पहुंचकर भी संवाद नहीं कर पाया—कम से कम इन घटनाओं का यही सार्वजनिक चित्र सामने आया है.विपक्ष एस आई आर को लेकर गंभीर सवाल उठा रहा है.वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर बदलाव को लेकर उसके आरोप हैं.चुनाव आयोग इन आरोपों को स्वीकार नहीं करता और एस आई आर को मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया बताता है.

सुप्रीम कोर्ट भी इस पूरे विवाद से जुड़े मामलों को सुन रहा है.

यानी मामला अब सड़क से संसद, संसद से चुनाव आयोग और चुनाव आयोग से अदालत तक पहुंच चुका है.लेकिन कल की दिल्ली ने एक और तस्वीर दिखाई.संसद के करीब 300 सदस्य एक तरफ...बैरिकेड दूसरी तरफ हजारों बाबर्दी पुलिस.

विपक्ष कहता है—हम जनता के प्रतिनिधि हैं.सरकार और भाजपा इस



आंदोलन को अराजकता पैदा करने की कोशिश बताती है.चुनाव आयोग कहता है—उसने कोई औपचारिक बैठक का अनुरोध नहीं पाया.और अदालत कह रही है कि जिन कानूनी सवालों पर याचिकाएं आई हैं, उनकी जांच होगी.

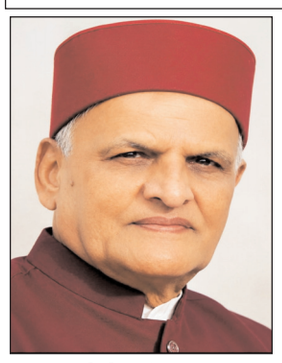
तो आम नागरिक पूछ सकता है—अगर संसद में सवाल का रास्ता सीमित हो जाए,सरकार से संवाद न हो,राष्ट्रपति के सामने शिकायत रखनी पड़े,चुनाव आयोग से मुलाकात न हो पाए,

और अदालत में फैसला आने में समय लगे—तो लोकतांत्रिक असहमति अपना रास्ता आखिर कहाँ खोजे?

यही आज की दिल्ली का सबसे बड़ा सवाल है।और इसका अगला अध्याय शायद और महत्वपूर्ण होगा.क्योंकि विपक्ष ने आंदोलन को सिर्फ दिल्ली तक सीमित रखने की घोषणा नहीं की है.अब 7 अक्टूबर को आक्रोश मार्च और आगे जिला स्तर के कार्यक्रमों की घोषणा हुई है.राष्ट्रपति का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा.

इसका दूसरा संभावित परिणाम यह हो सकता है कि एस आई आर का विवाद सिर्फ मतदाता सूची का प्रशासनिक मामला न रहकर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और संस्थागत स्वतंत्रता पर राष्ट्रीय बहस बन जाए.तीसरा रास्ता अदालत का है.अगर सुप्रीम कोर्ट एस आई आर और फार्म 6 या चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़े सवालों पर कोई महत्वपूर्ण आदेश देता है, तो राजनीतिक विवाद का अगला केंद्र अदालत हो सकता है। चौथा और अंतिम रास्ता सबसे महत्वपूर्ण है—संवाद.क्या चुनाव आयोग विपक्षी दलों से औपचारिक बातचीत करेगा?क्या विपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेज और प्रमाण आयोग के सामने रखेगा?क्या सरकार इस विवाद को संसद में चर्चा के लिए पर्याप्त जगह देगी?इन सवालों का जवाब आने वाले दिनों की राजनीति और संस्थागत संबंधों की दिशा तय करेगा।

गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया जारी रहे लेकिन जनता का मताधिकार प्रभावित नहीं हो



गिरीश पंकज

भारतीय चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं को लेकर विपक्षी दलों विशेषकर 'इंडिया' गठबंधन द्वारा लगातार उठाए जा रहे विरोध और आंदोलनों के पीछे कई प्रमुख विसंगतियाँ और राजनीतिक-प्रशासनिक मुद्दे बताए जा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि ये विसंगतियाँ देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी निष्पक्षता को प्रभावित कर रही हैं। चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर अभियान के दौरान, पुराने और नए रिकॉर्ड्स के मिलान में आने वाले अंतर को 'तार्किक विसंगति 'माना गया। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस प्रक्रिया के नाम पर बड़ी संख्या में मतदाताओं विशेषकर विपक्षी झुकाव वाले क्षेत्रों के मतदाता हटाए जा रहे हैं या उन्हें जटिल सत्यापन प्रक्रियाओं में उलझाया जा रहा है। फॉर्म-6 के संशोधनों और सत्यापन नियमों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

नए कानूनों के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की चयन समिति के ढांचे में बदलाव किया गया है। विपक्ष का तर्क है कि चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर किए जाने से सरकार का प्रभाव इस प्रक्रिया में बढ़ गया है। विपक्ष का आरोप है कि इसके कारण चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र संवैधानिक संस्था निष्पक्ष रूप से काम करने के बजाय कार्यपालिका के प्रति अधिक झुकाव दिखा रही है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने चुनावी डेटा प्रबंधन, ईवीएम और मतदान के आंकड़ों में पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। विपक्ष का दावा है कि चुनाव के दौरान मिलने वाले मतों और अंतिम डेटा में कुछ असहमतियां या 'संदिग्ध स्थितियां' थीं, जिन्हें आयोग ने पारदर्शी तरीके से सामने नहीं रखा। विपक्ष का यह भी आरोप है कि जब भी वे चुनावी अनिमितताओं या डेटा विसंगतियों से जुड़े ज्ञापन या शिकायतें लेकर चुनाव आयोग के पास जाना चाहते हैं, तो उन्हें उचित समय या संवाद का अवसर नहीं मिलता। हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान विपक्ष ने आयोग पर संवादहीनता का भी आरोप लगाया है। चुनाव आयोग और सत्ताधारी दल ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। आयोग का कहना है कि मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण एक पारदर्शी, कानूनी और नियमित प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य फर्जी या दोहरे वोटों को हटाना है। आयोग ने इस तरह के दावों को निराधार बताया है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख को ठेस पहुँचाने वाला करार दिया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के दौरान फार्म-6 में किए गए बदलावों और आंतरिक असहमति से जुड़े मामलों पर महत्वपूर्ण सुनवाई हुई है। इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ कर रही है। चुनाव आयोग ने पहले एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया था कि एस आई आर प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 के साथ जोड़ा गया अतिरिक्त घोषणा-पत्र सुप्रीम कोर्ट द्वारा समर्थित या अनुमोदित है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चुनाव आयोग के इस दावे को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा, 'यह बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि हमने फॉर्म -6के किसी भी संशोधित रूप को मंजूरी नहीं दी है, पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने टिप्पणी की कि यदि रिकॉर्ड की जांच में यह पाया जाता है कि कोई भी निर्णय कानून के मुताबिक या वैध बहुमत/सर्वसम्मति से नहीं लिया गया है, तो अदालत के पास यह अधिकार है कि वह ऐसे फैसलों को कानूनी रूप से अमान्य कर दे। पीठ के एक न्यायाधीश ने इस प्रक्रिया पर चिंता जताते हुए टिप्पणी की कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित करना एक मनमाना कदम हो सकता है। याचिका में मुख्य चुनाव



चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर आंच न आए

जब रिकॉर्ड सामने आएगा तो हम यह जांचेंगे की इसमें बदलाव किसने किया।' सुनवाई के दौरान यह बात भी सामने आई कि चुनाव आयोग के भीतर सभी फैसले सर्वसम्मति से नहीं हो रहे हैं। रिपोर्ट्स और वकीलों की दलीलों के हवाले से यह बात उठाई गई कि अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने मतदाता सूची से नाम हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव और कुछ अन्य फैसलों पर आपत्ति जताई थी, जिन्हें दरकिनार कर दिया गया था, इस आयुक्त को पद से हटाने या उनके कुछ प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगाने की मांग की गई थी। साथ ही, जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत मिलने वाले संरक्षण पर भी सवाल उठाए गए। हालांकि, अदालत ने फिलहाल कोई भी अंतरिम या जल्दबाजी में कड़ा आदेश पारित करने से इनकार कर दिया है और सभी संबंधित पक्षों तथा चुनाव आयोग से आधिकारिक और प्रमाणित रिकॉर्ड/रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बात की पूरी समीक्षा की जाएगी कि आयोग के निर्णय कानूनी दायरे में लिए गए थे या नहीं।. इस विवाद में तकनीकी प्रक्रियाओं और राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बीच एक महीन रेखा होती है, जिसे समझना बहुत जरूरी है। चुनाव आयोग जैसी विशाल संस्था जब देश के स्तर पर मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण या विशेष गहन पुनरीक्षण करती है, तो इतने बड़े पैमाने पर डेटा प्रोसेसिंग में कुछ मानवीय और तकनीकी त्रुटियाँ होना स्वाभाविक है। कई बार ये खामियाँ किसी राजनीतिक मंशा के तहत नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर, फील्ड अधिकारियों के काम करने के तरीके या दस्तावेजों के सत्यापन में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों का परिणाम होती हैं, दूसरी ओर, जब भी कोई बदलाव या त्रुटि ऐसी होती है जिसका असर किसी क्षेत्र या वर्ग विशेष पर पड़ता है, तो विपक्षी दलों द्वारा इसे अपने राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाना लोकतंत्र में एक सामान्य प्रक्रिया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय के रूप में स्थापित किया गया है। इतिहास में भी कई ऐसे उदाहरण रहे हैं,जब चुनाव आयोग ने सत्ता में बैठी सरकारों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाए हैं और चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया है। इसलिए, यह मान लेना कि पूरी संस्था सीधे तौर पर किसी एक दल को लाभ पहुँचाने के लिए काम कर रही है, संस्था के लंबे इतिहास और उसके संवैधानिक दर्जे के विपरीत हो सकता है। हालांकि, प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और चयन प्रक्रिया के नियमों पर सवाल उठाना नागरिकों और विपक्ष का एक लोकतांत्रिक अधिकार है, ताकि संस्था की निष्पक्षता पर आंच न आए। सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च अदालत का इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करना और चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगना यह साबित करता है कि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्व-सुधार की गुंजाइश अभी भी मजबूत है। अदालत यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया के नाम पर किसी भी नागरिक का मताधिकार प्रभावित न हो। भारतीय चुनाव आयोग सहित देश की अन्य प्रमुख संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता, निष्पक्षता और पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए समय-समय पर विभिन्न कानूनी विशेषज्ञों, समितियों और विधि आयोग द्वारा कई महत्वपूर्ण सुधार सुझाए गए हैं।

विशेष कदम उठाने की जरूरत

इन संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त और जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने के लिए कुछ विशेष कदम उठाए जा सकते हैं, जैसे चुनाव आयुक्तों या अन्य प्रमुख संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों के लिए एक ऐसा उच्चस्तरीय और निष्पक्ष कॉलेजियम होना चाहिए जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की समान भागीदारी हो, पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों और विशेषज्ञों की राय के अनुसार, इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि चयन समिति में कार्यपालिका का बहुमत न हो, बल्कि उसमें न्यायपालिका और विपक्ष के नेता की भी मजबूत भूमिका हो, ताकि किसी एक दल का एकाधिकार न दिखे। वर्तमान में कई संवैधानिक संस्थाओं के बजट का एक बड़ा हिस्सा या उनके प्रशासनिक खर्च सीधे तौर पर सरकार के मंत्रालयों या वित्त विभाग की स्वीकृति पर निर्भर होते हैं।

स्वदेशी यात्री विमान निर्माण की दिशा में भारत



महेन्द्र तिवारी

भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री द्वारा हाल ही में की गई यह घोषणा कि देश अगले 2 वर्षों के भीतर अपना पहला स्वदेशी वाणिज्यिक यात्री विमान तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, भारत के औद्योगिक और तकनीकी परिदृश्य में एक युगांतरकारी कदम है। यह उद्घोषणा केवल एक नई औद्योगिक परियोजना की शुरुआत मात्र नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ा और साहसिक संकल्प है। वर्तमान में वैश्विक यात्री विमान निर्माण उद्योग पर मुख्य रूप से केवल 2 विदेशी कंपनियों, अमेरिका की बोइंग और यूरोप की एयरबस का पूर्ण एकाधिकार है। पूरी दुनिया की हवाई यातायात कंपनियां अपने विमानों के बेड़े के विस्तार और नवीनीकरण के लिए पूरी तरह से इन्हीं 2 निर्माताओं पर निर्भर हैं। इस असीमित निर्भरता के कारण नए विमानों की आपूर्ति में भारी देरी होती है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी प्रकार की बाधा आने पर पूरे विश्व का विमानन तंत्र बुरी तरह से प्रभावित होता है। ऐसे परिदृश्य में भारत द्वारा अपना स्वयं का यात्री विमान विकसित करने का दृढ़ निर्णय इस वैश्विक एकाधिकार को तोड़ने और एक नया, सुलभ तथा किफायती विकल्प प्रस्तुत करने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है।

आज भारत विश्व का सबसे तेजी से उभरता हुआ नागरिक उड्डयन बाजार बन चुका है। देश के भीतर हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। मध्यम वर्ग के तीव्र विस्तार, बढ़ती आर्थिक क्षमता और हवाई यात्रा के प्रति आम जनमानस की बढ़ती पहुंच के कारण देश की विमानन कंपनियों ने अपने ढांचे को विस्तृत करने के लिए अप्रत्याशित स्तर पर नए विमानों की खरीद के ऐतिहासिक समझौते किए हैं। हाल के वर्षों के आंकड़ों का मूल्यांकन करें तो ज्ञात होता है कि भारतीय विमानन कंपनियों ने 1600 से अधिक नए यात्री विमानों की खरीद के आदेश दिए हैं, जिनका कुल वित्तीय मूल्य अरबों रुपये से भी अधिक आंका गया है। यदि भारत अपने स्वयं के यात्री विमानों का निर्माण करने में पूर्णत: सक्षम हो जाता है, तो देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी और देश का पैसा देश के भीतर ही रहेगा। इसके अतिरिक्त, जिस तीव्र गति से देश में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए स्वदेशी विमानों की आवश्यकता और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। पिछले एक दशक में देश में छोटे और बड़े हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 160 के पार पहुंच गई है और सरकार की योजना आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत इसे और भी अधिक विस्तृत करने की है। इतने बड़े और व्यापक बुनियादी ढांचे के सुचारू संचालन के लिए देश को विमानों की निरंतर आवश्यकता होगी, जिसकी पूर्ति स्वदेशी निर्माण से ही स्थायी और निर्बाध रूप से की जा सकती है।

स्वदेशी विमान निर्माण की रूपरेखा और इसके व्यावहारिक पहलुओं पर विचार करें तो यह स्पष्ट होता है कि यह लक्ष्य अत्यंत जटिल है और इसे रातों रात प्राप्त नहीं किया जा सकता। उड्डयन प्रौद्योगिकी अत्यंत संवेदनशील होती है, जहां त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं होती। हालांकि, भारत ने इस दिशा में अपना वैमानिकी आधारभूत ढांचा और एक मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना आरंभ कर दिया है। सरकार की दूरदर्शी योजना है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को किसी अंतरराष्ट्रीय संयुक्त उद्यम के माध्यम से धरातल पर उतारा जाए। भारत के पास रक्षा क्षेत्र में सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों के निर्माण का दशकों पुराना और समृद्ध अनुभव है। वर्तमान समय में गुजरात राज्य के वडोदरा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना के तहत उन्नत सैन्य परिवहन विमानों का निर्माण किया जा रहा है।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुंचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, 'बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुंचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।'

राजा ने पूछा, 'क्या कविराज?' कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्कता है।' कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

कविता

तुम्हारे जाने के बाद



रविकान्त राऊत

आज सुबह अधजागी हालत में
मैंने तुम्हें टटोलने के लिए हाथ बढ़ाया था ,
फिर याद आया कि तुम नहीं हो,
तो मैं झट से उठ बैठा और फ़िर
इस खालीपन के अहसास से भागने लिए
खुद को काम में झोंक दिया दिनभर

आज भी सुबह जब मैंने चाय रखता हूं
टेबल पर तो याद आता है
तुम तो ऐसे पीती थीं।
दरवाज़ा खोलता हूँ
तुम चली गईं, तबभी
कमरा कहां खाली हुआ
तुम्हारी ग़ैरहाज़िरी बैठी रही
कुर्सी पर,
और खिड़की के पास,
तुम्हारी आवाज़ ठहरी रही।
तो एक पल को उम्मीद होती है
कि तुम सामने होओगी।
फिर याद आता है
तुम तो हो नहीं ।

मैं अब भी यह मान नहीं पा रहा
कि तुम यहाँ नहीं हो
बार-बार आधा मुड़कर देखता हूं
ये देखने कि तुम क्या कर रही हो,

और तब मैंने जाना
मोहब्बत का वजूद फ़कत
साथ होने में नहीं,
किसी के न होने पर भी
उसके लिए
जगह बची होने में होता है।

जबलपुर ,मध्यप्रदेश

व्यंग्य केसरी

बिजली के बिल में ट्रैफिक चालान!



अशोक 'मतवाला'

अब सड़क की गलती का झटका घर की बत्ती के साथ लगेगा. ट्रैफिक पुलिस ने चालान काटा और आदमी ने सोचा—'अभी नहीं भरता, बाद में देखेंगे।'

लेकिन अगर बकाया ट्रैफिक चालान की वसूली के लिए बिजली के बिल से जोड़ने का सुझाव कभी व्यवस्था बन गया, तो वह 'बाद में' सीधे घर के मीटर तक पहुँच सकता है।

हाल में सुप्रीम कोर्ट में बकाया ई-चालानों की वसूली पर सुनवाई के दौरान ऐसे सुझाव पर चर्चा हुई। ध्यान रहे, यह कोई लागू आदेश नहीं, बल्कि वसूली के संभावित तरीकों पर हुई चर्चा का हिस्सा था।

अब कल्पना कीजिए।

महीने की पहली तारीख को बिजली का बिल आया।

पत्नी ने पूछा—'कितना आया?'

पति बोला—'बिजली का बिल तो 1,800 रुपये है... लेकिन कुल 3,800 रुपये!'

पत्नी ने पूछा—'बाकी 2,000 रुपये किस बात के?'

पति ने धीरे से कहा—'पिछले महीने ट्रैफिक पुलिस ने याद किया था।'

पत्नी बोली—'मैं तो समझती थी बिजली का मीटर यूनिट गिनता है!'

पति ने कहा—'अब हमारी ड्राइविंग भी गिनेगा!'

और यहीं से भारतीय परिवार में बिजली बचाने के साथ-साथ चालान बचाने की मुहिम भी शुरू हो सकती है।

पहले लोग कहते थे—'बत्ती बंद करो, बिजली बचेगी।' अब शायद कहा जाएगा—'ट्रैफिक नियम मानो, बिजली का बिल बचेगा!'

व्यवस्था यहीं रुक जाए तो भी गनीमत है। कल को कोई और विभाग कह सकता है—सड़क पर कूड़ा फेंका? पानी के बिल में जोड़ दो। पार्किंग का जुर्माना नहीं भरा? गैस बिल में जोड़ दो। नगर निगम का बकाया है? मोबाइल रिचार्ज में जोड़ दो।

फिर नागरिक के पास बिल नहीं आएंगे, सरकारी हिसाब-किताब की संयुक्त वार्षिक रिपोर्ट आएगी! लेकिन असली सवाल मजाक से थोड़ा गंभीर है। अगर चालान गाड़ी चलाने वाले के नाम है और बिजली का कनेक्शन किसी दूसरे परिवार के सदस्य के नाम, तो जिम्मेदारी किसकी होगी? किसी वाहन को बेच दिया गया हो, वाहन किसी और के पास चला गया हो या चालान गलत व्यक्ति के नाम दर्ज हो गया हो, तब क्या होगा?

सरकारी वसूली प्रभावी होनी चाहिए, लेकिन उसके साथ सही व्यक्ति की पहचान और शिकायत निवारण की व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट में चालान वसूली के लिए वाहन पंजीकरण, लाइसेंस, फिटनेस और अन्य सेवाओं से जोड़ने जैसे उपायों पर भी चर्चा हुई है। आखिर चालान इसलिए होता है कि नागरिक सड़क पर नियम माने। मगर व्यवस्था का उद्देश्य यह नहीं होना चाहिए कि नागरिक हर सरकारी बिल खोलने से पहले दिल थामकर बैठे।

इतिहास

8 अक्टूबर का दिन भारतीय इतिहास में भारतीय वायु सेना दिवस और महान लेखक मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि के रूप में दर्ज है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1932: भारतीय वायु सेना (IAF) की स्थापना हुई थी। इसे पहले 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' कहा जाता था।

1871: अमेरिका के शिकागो शहर में भयंकर आग लगी थी, जिसमें शहर का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया था।

1945: आविष्कारक पर्सी स्पेंसर ने माइक्रोवेव ओवन का पेटेंट कराया था।

1956: बेसबॉल खिलाड़ी डॉन लार्सन ने वर्ल्ड सीरीज के इतिहास में पहला परफेक्ट (बिना कोई रन दिए) गेम खेला था।

प्रसिद्ध निधन

1936: हिंदी और उर्दू के महान कथाकार व उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद का निधन हुआ था।

बिलासा देवी की नगरी बिलासपुर शहर अपनी बदहाली पर बहा रहा हैं आंसू..

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के वर्षो बाद भी विकास की बाट जोह रहा हैं..



छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर बिलासपुर में रेलवे ज़ोन, ए सी सी एल का होना जहाँ वरदान साबित हो सकता था वहीं बिलासपुर शहर के आस पास में वन का होना पर्यावरण को शुद्ध कर सकता है इसके साथ ही यहां उच्च न्यायालय का होना अपने आप में गौरवान्वित महसूस करने वाली बात थी देखा जाए तो बिलासपुर शहर हिंदुस्तान में अपनी एक अलग पहचान रखता है। इस शहर में पूरे भारत के लोग निवास करते हैं कोई व्यापार कर रहा है तो कोई नौकरी वहीं हर राज्य से शिक्षा के लिए विद्यार्थी और रोजगार के लिए युवाओं का आना जाना लगा रहता और वे सभी चाहते हैं कि बिलासपुर शहर विकसित और युवाओं के पास रोजगार हो शहर साफ सुथरा रहे अरपा नदी की एक अलग पहचान बने और पुरे समय नदी में साफ सुथरा जल भरा रहे जिससे लोगों को स्वच्छ जल के साथ साथ शहर में भूमिगत जल श्रोत भी बनी रहे पर छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद जिस रफ़्तार से बिलासपुर का विकास होना था वो संभव नहीं हो पाया इसके लिए साफ नियत और दूरदर्शिता रखने वाले जनप्रतिनिधि और अधिकारी यदि मिलकर कार्य करते तो बिलासपुर शहर बहुत खूबसूरत बन सकता था जिसके लिए जरुरी था शासन प्रशासन को ईमानदारी से पहल करने की। शासकीय राशि का सही जगहों पर सदुपयोग और व्यवस्थित कार्य योजना से इस शहर की भव्यता और विकास का कायाकल्प होने से ही यह बिलासपुर शहर न्यायधानी और संस्कारधानी के रूप में पूर्ण रूप से परिपूर्ण होता पर अफ़सोस राज्य बनने के इतने वर्षो बाद भी बिलासपुर शहर आज भी विकास से कोसों दूर है और बिलासा देवी की यह नगरी बिलासपुर शहर आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है और आँसू पोंछने वाला कोई फरिस्ता नहीं आया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद प्रदेश में कांग्रेस से प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में अजीत जोगी बिलासपुर शहर को नया रूप देने में जरूर कोशिश करने में लगे रहे पर कांग्रेस की अंदरूनी कलह और उनके अपने चंद गद्दारों ने उसे गद्दी से ही उतार दिया और जीवन भर अजीत जोगी निराशा और अपमान के दलदल में फंसे रह गए। उसके बाद राज्य में लगातार तीन पंचवर्षीय भाजपा की सरकार रही और उनके ही पार्टी से अमर अग्रवाल बिलासपुर का विधायक और मंत्री भी बने पर पुरे कार्यकाल में उन पर आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला चलता रहा जो जग जाहिर है एक तरह से यह भी कहा जा सकता है की उनके पुरे कार्यकाल में ठेकेदार ,राजनेता,सरकारी अफसर का एक ऐसा गठजोड़ बना रहा कि बिलासपुर शहर एक प्रयोगशाला बनकर रह गया। बिलासपुर एवं आसपास के जीवन दायिनी कहे जाने वाली अरपा नदी को मल मूत्र और गन्दगी से पाटकर दाग दार बना दिया गया अगर आज बिलासा दाई रहती तो अरपा नदी और बिलासपुर शहर की बदहाली देखकर शासन प्रशासन को कोसते नजर आती भले ही बिलासपुर शहर को स्मार्ट सिटी के नाम से जाना जाता है पर इस स्मार्ट सिटी में धूल के गुब्बार और बीमारी के अलावा आम नागरिकों को कुछ नहीं मिल पाया इसी दौरान प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की लहर चली और बिलासपुर के मतदाताओं ने कांग्रेस के एक बुद्धिजीवी नेता शैलेष पाण्डेय को विधायक के रूप में चुना पर वह बुद्ध जीवी नेता तो और महान निकला केवल भाषण देते अपना कार्यकाल पूरा कर लिया।उनके कार्यकाल में उनकी अपनी पार्टी से भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री और कांग्रेस की सत्ता रहते हुए भी विकास की गति को आगे नहीं बढ़ा सके बुद्धजीवी समझे जाने वाले वह विधायक गुटबाजी में ही उलझ कर रह गया ।शिक्षा के क्षेत्र में रहने की वजह में वो ज्ञानी तो था लेकिन उनका ज्ञान पुरे कार्यकाल में कोई काम नहीं आया और पुरे पांच साल पार्टी की अंदुरुनी लड़ाई में फंसे के फंसे रह गए और अपने साथ भेदभाव होने का घड़ियाली आंसू बहाते नजर आए जिससे बिलासपुर शहर का विकास कार्य बाधित हो गया और पुन: टिकट मिलने पर वे चुनाव हार गए अभी वर्तमान में बिलासपुर शहर के फिर से वही पुराने सेठ जी अमर अग्रवाल पुन: विधायक बन गए है और प्रदेश में भाजपा की सरकार भी है पर वह अपनी वहीं पुरानी परिपाटी को जारी रखते हुए जाति और समाज को साधने में लगे हुये हैं बिलासपुर शहर के युवाओं को जाति में बांटकर अपना उल्लू सीधा कर अपनी राजनीती चमकाते नजर आ रहे हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता हैं की उन्हें विकास से कोई सरोकार नहीं है यह बिलासपुर शहर के लिए दुर्भाग्य ही कहा जाएगा की छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद आज तक जो भी विधायक बने और उनकी अपनी पार्टी के सत्तासीन होने के बावजूद बिलासपुर शहर आज भी विकास की बाट जोह रहा है समय साधन और संसाधन रहने के बावजूद बिलासपुर को वो मुकाम हासिल ना हो पाना जिसका वो हकदार था इसके लिए शायद शासन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया जाना गलत नहीं होगा बहरहाल अब बिलासपुर शहर को ऐसे मसीहा की तलाश है जो बिलासा देवी की विरासत को संभाल सके और बिलासपुर शहर को संवार सके ।

गौ सेवा और संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ का दसवां स्थापना दिवस



विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ का दसवां स्थापना दिवस राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें गौ संरक्षण, गौ सेवा तथा समाज में गौवंश के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में शेख आसिफ, महुआ मजूमदार, गणेश सिंह परिहार, उदय भान सिंह चौहान, अजंता चौधरी एवं पद्मिनी वर्मा सहित अन्य गणमान्यजन मंच पर उपस्थित रहे। समारोह में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में गौ रक्षक, गौ भक्त, संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालने के साथ हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष चंदन सिंह राजपूत ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने संगठन की गतिविधियों तथा गौ संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा करते हुए सभी गौ रक्षकों और गौ भक्तों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान गौ सेवा एवं संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के माध्यम से गौ सेवा के प्रति समर्पित लोगों के कार्यों को प्रोत्साहित किया गया और समाज के अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य से जुड़ने का संदेश दिया गया।

में वक्ताओं ने गौ संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए गौवंश की सेवा, संरक्षण और संवर्धन के लिए संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में छत्तीसगढ़ प्रभारी गणेश सिंह परिहार ने आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, गौ रक्षकों, गौ भक्तों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

अरुण साव ने किया 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ



विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार को स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, बहतराई में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ किया। पांच संभागों से आए खिलाड़ियों के मार्च पास्ट की सलामी ली और गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता का आगाज किया। बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा और दुर्ग संभाग के 571 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री साव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बहतराई की खेल भूमि ने देश और प्रदेश को कई प्रतिभावान खिलाड़ी दिए हैं। इसी मैदान पर खेलकर संजू देवी ने एशियन गेम्स कबड्डी में स्वर्ण पदक जीता, वहीं मधु सिदार और गीता यादव ने अंडर-19 महिला हॉकी में देश को गौरवान्वित किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश 'जो खेलेगा, वही खिलेगा' का उल्लेख करते हुए खिलाड़ियों से पूरी खेल भावना और आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

भव्य शोभायात्रा के साथ महर्षि कश्यप जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। नगर केशरवानी वैश्य कल्याण समिति चांपा तत्वावधान में केशरवानी/गुप्ता वैश्य समाज के गोत्राचार्य भगवान महर्षि कश्यप जी जयंती के अवसर पर कोसा कांसा और कंचन की नगरी चांपा स्थित गांधी भवन में महर्षि कश्यप जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया, इससे पूर्व शाम 4 बजे गांधी भवन से गोत्राचार्य महर्षि कश्यप जी की ऐतिहासिक भव्य शोभायात्रा शाही रथ के साथ कश्यप जी की आकर्षक झांकी के साथ निकाली गई।



शोभायात्रा में केशरवानी वैश्य सभा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष निलेश गुप्ता, महिला सभा के प्रदेश अध्यक्ष रेखा केशरवानी, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अशोक केशरवानी सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी, केशरवानी गुप्ता समाज की महिलाएं बच्चे और पुरुषों सहित अफरीद, सारागांव, जांजगीर, बम्हनीडीह, पोड़ी से समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। शोभायात्रा में आतिशबाजी और बाजे गाजे के साथ महर्षि कश्यप जी का शाही रथ फिर समाज के बच्चे और महिलाएं और इसके बाद समाज का पुरुष वर्ग हाथ में भगवा ध्वज लेकर झूमते नाचते और महर्षि कश्यप जी की जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा गांधी भवन से निकलकर रानी रोड, थाना चौक, सुभाष चौक, राधाकृष्ण मंदिर चौक, सदर बाजार, कदम चौक होते हुए पुन: गांधी भवन पहुंची। पूरे शोभायात्रा के दौरान जगह जगह पर समाज के लोगों द्वारा नाश्ता, पानी, कोल्डड्रिंक इत्यादि की सेवा कर रहे थे।

प्राकृतिक उत्पादों से बना विशाल रंगोली बना आकर्षण का केंद्र

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन बुधवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार मे किया गया। इसके तहत पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान बलौदाबाजार मे आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा मे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सम्बोधन कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण को एलईडी टीवी के माध्यम से देखा गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियो एवं नागरिकों ने विकसित भारत का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा,डॉ.सनम जांगड़े, प्रमोद शर्मा, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी,जिला अध्यक्ष आनंद यादव,जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष सुमन वर्मा उपस्थित थे। सभा के उपरांत सेवा ज्योति कलश यात्रा हेतु ज्योति रथ मे ज्योत प्रज्वलित कर सेवा ज्योति कलश यात्रा प्रारम्भ किया गया।

मवेशियों तस्करी के मामले में थाना पामगढ़ पुलिस की सख्त कार्रवाई

विश्व केसरी■

पामगढ़ पुलिस ने 19 मवेशी किए जब्त, आरोपी गिरफ्तार



पामगढ़ (नीरज शर्मा)। जिले के पामगढ़ थाना पुलिस ने मवेशियों को अवैध रूप से बिक्री के लिए ले जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 7 भैंसी और 12 भैंस समेत कुल 19 मवेशी जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बोरसी निवासी रामसागर महिलांगे उर्फ दुलू (55) मवेशियों को मारते-पीटते और बिना चारा-पानी के डोंगाकोहरौद की ओर ले जा रहा है। कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ा गया। पूछताछ के बाद उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 व 10 के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

आंगन मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए जनपद अध्यक्ष रंजना जांगड़े

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। ग्राम पंचायत मेहंदी में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चारों आंगनवाड़ी केंद्रों के संयुक्त तत्वावधान में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंजना मानेश जांगड़े अध्यक्ष जनपद पंचायत पामगढ़ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संतोषी साहू उपाध्यक्ष भाजपा मंडल पामगढ़

रहे।कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण एवं आंगनवाड़ी सेवाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संकल्प एव शपथ दिलाया गया ।इस मौके पर ,जनपद अध्यक्ष रंजना मानेश जांगड़े द्वारा चारों आँगन बाड़ी के बच्चों के लिए खिलौने,पानी बाटल एवं चाकलेट वितरण किए । कार्यक्रम में मुख्य रूप से संतोषी सुखसागर अजगल्ले सरपंच मेहंदी श भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता चंद्राम जांगड़े, दीनदयाल बर्मन, दीपेंद्र खटकर, यशवंत केसी पंचगण,आंगनवाड़ी सुपरवाइजर अनुपमा अग्रवाल आंगनवाड़ी कार्यकर्ता , सहायिकाएं, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।



रिश्वतखोरी और तानाशाही के खिलाफ संत ने खोला मोर्चा

विश्व केसरी■

नवागढ़ (नीरज शर्मा)। सरकारी कर्मचारियों पर कथित रिश्वतखोरी, मनमानी और तानाशाही के गंभीर आरोप लगाते हुए सतलोक आश्रम मुक्तिधाम तुलसी के संत बुधराम दिनकर भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। संत ने अपनी विभिन्न शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए तहसील नवागढ़ के सामने भूख हड़ताल शुरू की है।

संत का कहना है कि लंबे समय से अधिकारियों के समक्ष शिकायतें प्रस्तुत कर संबंधित मामलों में कार्रवाई की मांग की जाती रही, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। पोस्टर में कई मामलों का उल्लेख करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ जांच तथा कार्रवाई की मांग की गई है।

संत ने आरोप लगाया है कि आम लोगों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है और कथित रूप से पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उनके पद से हटाने तथा मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई है। पोस्टर में 31 दिसंबर 2024 की शिकायत, शिवरीनारायण तहसील से जुड़े 29 मई 2025 के मामले, सितंबर 2025 में दी गई शिकायतों तथा 20 अक्टूबर 2025 को एसडीएम कार्यालय से जुड़े मामले का उल्लेख किया गया है। संत ने इन सभी मामलों में कार्रवाई की मांग की है। संत बुधराम दिनकर ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी। आंदोलन को लेकर प्रशासन की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर लोगों की नजर बनी हुई है।

माघी पूर्णिमा मेला की तर्ज पर होगा भव्य नवरात्रि-दशहरा मेला

पहली बार मौत का कुआं सहित अनेक आकर्षण

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत शिवरीनारायण में व्यापारी स्टॉल एवं जगह के लिए आवेदन लिया जा रहा है । इस वर्ष नवरात्रि-दशहरा मेला 2026 का आयोजन 20 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। वहीं मेले के दौरान पहली बार तीन दिवसीय भव्य शिवरीनारायण महोत्सव 2026 का आयोजन 14 से 16 अक्टूबर 2026 तक नगर पंचायत के सामने किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल थवाईत ने बताया कि इस वर्ष नवरात्रि-दशहरा मेला को माघी पूर्णिमा मेला की तर्ज पर अधिक भव्य, आकर्षक, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित स्वरूप देने की तैयारी व्यापारियों के लिए विभिन्न आकार के स्टॉल तैयार करवाए जा रहे हैं। स्टॉल आवंटन हेतु 5 अक्टूबर 2026 से नगर पंचायत कार्यालय में आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। इस वर्ष मेले में पहली बार मौत का कुआं प्रमुख आकर्षण के रूप में शामिल होगा। इसके अलावा आकाश झूला, टोरा-टोरा, ब्रेक डांस, ड्रैगन झूला, ऑक्टोपस झूला सहित विभिन्न प्रकार के आधुनिक एवं आकर्षक झूले लगाए जाएंगे। साथ ही भव्य मीना बाजार, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं खान-पान के स्टॉल भी मेले में आकर्षण का केंद्र रहेंगे। नवरात्रि-दशहरा मेला के दौरान पहली बार शिवरीनारायण महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक एवं मनोरंजक गतिविधियों के साथ माघी पूर्णिमा मेला की तर्ज पर विभिन्न प्रकार के व्यापारिक एवं दुकान स्टॉल लगाए जाएंगे। शिवरीनारायण की धार्मिक एवं पवित्र नगरी की गरिमा को ध्यान में रखते हुए नवरात्रि-दशहरा मेला अवधि में मांस, मछली, अंडा एवं अन्य नॉनवेज खाद्य सामग्री की बिक्री पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी। नगर पंचायत द्वारा इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था एवं निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

महामाया अध्यात्म परिषद का मासिक सत्संग आयोजित

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महामाया अध्यात्म परिषद का मासिक सत्संग आयोजित हुआ छत्तीसगढ़ की काशी, माता शबरी की धाम एवं त्रेता युगीन दंडकारण्य तीर्थ क्षेत्र खरौद में महामाया आध्यात्म परिषद द्वारा लगातार 14 वर्षों से मासिक सत्संग का आयोजन माह के प्रथम रविवार को होते आया है। प्रथम रविवार 4 अक्टूबर को मां महामाया के मंदिर में यह सत्संग आयोजित हुआ। सर्वप्रथम मां महामाया की पूजा अर्चना की गई।पश्चात नगर के महिला मंडलियों ने सुमधुर अनेक प्रकार के भक्ति गीत गाए। उद्बोधन के क्रम में नीलम यादव पार्षद ने कहा कि देवी के नौ रूप हम नारी शक्तियों में ही है। सभी रूपों में नारि सम्माननीय है। देवी की पूजा तभी सफल है जब समाज में नारियों का सम्मान हो। सुमित्रा आदित्य ने कहा कि भगवान भोलेनाथ श्री कृष्ण के रास में नारि बनकर पहुंच गए पर बंशी की धुन अपनी सभी सुध बुध भूल गए। धनसाय यादव ने राम जन्म के समय राम जी के दर्शन के लिए शिवजी एवं कागभुसुंडि जी के छद्म वेश धारण करने के प्रसंग का वर्णन किया। हेमलाल यादव गुरु जी ने पितृपक्ष में पितरों को जल तर्पण एवं उनकी पूजा करना आवश्यक बताया। अध्यात्म परिषद के अध्यक्ष शिवरात्रि यादव ने कहा कि भजन से सभी पाप कर जाते हैं किंतु गुरु को मनुष्य मानना, भगवान की मूर्ति को पत्थर या धातु मानना, चरणामृत को साधारण जल मानना, महाप्रसाद को अन्न मानना, एवं भगवान के भक्तों में जाति भेद के रूप में देखना।ये पांच अपराध भजन से भी नहीं कटते।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, मेटल और रियल्टी में रहा दबाव

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 429.11 अंक या 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,638.70 और निफ्टी 173.05 अंक या 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,603.05 पर था।

बाजार पर दबाव बनाने का काम मेटल और रियल्टी स्टॉक्स ने किया। सूचकांकों में निफ्टी मेटल -2.33 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी -1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी ऑटो -1.58 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज -1.43 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस -1.41 प्रतिशत, निफ्टी आईटी -1.34 और निफ्टी पीएसई -1.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

केवल निफ्टी पीएसयू बैंक 1 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 0.69 प्रतिशत और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ



बंद हुए। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 378.60 अंक या 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,382.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 58.25 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,506.95 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस हरे निशान में थे। टाइटन, बीईएल, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, एलएंडटी, टाटा स्टील, एमएंडएम, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, इंडिगो, एचयूएल, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टेक महिंद्रा लाल निशान में थे।

जानकारों ने कहा कि आरबीआई द्वारा उम्मीद के मुताबिक ब्याज दरें बढ़ाने के बाद, घरेलू बाजार ने पॉलिसी के रुख में 'न्यूट्रल' से 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' की ओर बदलाव पर ज्यादा तेजी से प्रतिक्रिया दी, जो ब्याज दर चक्र में बदलाव का संकेत है।

वहीं, यूएस एफओएमसी की बैठक से पहले, यूएस यील्ड में बढ़ोतरी, मजबूत डॉलर और एफआईआई की लगातार निकासी के बीच रुपया दबाव में रहा, जिससे बाजार में गिरावट और बढ़ गई। सेक्टर के हिसाब से देखें तो, ऊंची ब्याज दरों वाले माहौल में मार्जिन से फायदे की उम्मीद में बैंकिंग शेयरों ने बाजार की कमजोरी के उलट अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि बाजार के ज्यादातर हिस्सों में बिकवाली का दबाव बना रहा।

नवरात्रि पर चांदी भंडार लाया है बेहद ख़ास 'आरण्या' एडिट

विश्व केसरी■

रायपुर। रायपुर में नवरात्रि एक त्योहार से कहीं अधिक है। यह आस्था और सामजिक एकजुटता का एक भव्य उत्सव है, जो नौ दिनों की भक्ति और उत्सव के माध्यम से लोगों को आपस में जोड़ता है। इस पावन पर्व के केंद्र में माँ दुर्गा हैं, जिनकी उनके नौ दिव्य रूपों में पूजा की जाती है, और प्रत्येक रूप शक्ति व साहस से लेकर करुणा, ज्ञान और कृपा तक नारी शक्ति की एक अनूठी अभिव्यक्ति है। एक साथ मिलकर, ये सभी रूप नवरात्रि को नारी भावना के विविध पहलुओं का एक भव्य उत्सव बनाते हैं।

इसी दिव्यता से प्रेरित होकर, चांदी भंडार ने 'आरण्या' प्रस्तुत किया है, जो नवरात्रि के इस विशेष उत्सव के लिए उसके ऑक्सीडाइज्ड चांदी के आभूषणों की एक बेहतरीन फेस्टिव प्रेजेंटेशन है। 'आरण्या' नाम 'अरण्य' यानी जंगल से लिया गया है, जो जमीन से जुड़ा हुआ और प्रकृति के बेहद करीब है। यह एक ऐसी सुंदरता को दर्शाता है जो मिट्टी से जुड़ी होने के



साथ-साथ अपने आप में बेहद शक्तिशाली भी है। इसकी ऑक्सीडाइज्ड फिनिश हर एक ज्वेलरी को हमारी प्राचीन संस्कृति से जोड़ती है, जबकि इसके काम्प्लेक्स डिज़ाइन के साथ ट्रेडिशनल क्राफ्ट्समैनशिप कंटेम्पररी अपील देते हैं।

92.5 स्टर्लिंग सिल्वर में गढ़ा गया और ऑक्सीडाइज्ड ट्रीटमेंट से संवारा गया 'आरण्या' एडिट स्टेटमेंट पीस और रोजमर्रा के आभूषणों का एक अनूठा संगम है, जो ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर और भी बेहतरीन तरीके से पेश करता है।

'आरण्या' एडिट के अलावा, पुरुष चांदी भंडार के 'अमोघ' कलेक्शन का भी रुख कर सकते हैं, जिसमें चांदी की चेन, पेंडेंट, अंगूठियां और कंगन का एक आकर्षक और विविधता से भरा कलेक्शन शामिल है। यह फेस्टिव कलेक्शन चांदी भंडार के 92.5 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी में झुमके, चूड़ियां, अंगूठियां, कंगन और पायल शामिल हैं, जो हर शैली और उत्सव के अनुकूल हैं। छोटे बच्चों के लिए, विशेष 'ट्रेज़र्स' कलेक्शन उनके ख़ास पलों को यादगार बनाने के लिए सोच-समझकर तैयार किए गए सिल्वर पीसेज को एक साथ लाता है।

तमिलनाडुः कटौती के कारण दूध की कीमतें में वृध्दि, तिरुचि के किसानों को नहीं मिली राहत

विश्व केसरी■

तिरुची। दूध खरीद भुगतान में कटौती को लेकर तिरुची के दुग्ध उत्पादक किसानों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं। उनका कहना है कि उन्हें तमिलनाडु सरकार द्वारा घोषित संशोधित दर से कम राशि मिल रही है।

राज्य सरकार ने हाल ही में गाय के दूध की खरीद दर में 6 रुपये की वृद्धि की है, जिससे यह 38 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 44 रुपये प्रति लीटर हो गई है। भैंस के दूध की खरीद दर 53 रुपये प्रति लीटर तय की गई है। यह विवाद 3 अक्टूबर को किसानों के बैंक खातों में भुगतान पहुंचने के बाद सामने आया।

दूध उत्पादकों का आरोप है कि सहकारी दुग्ध समितियों ने उनके भुगतान में से प्रति लीटर 4 रुपये काट लिए हैं, जिससे उन्हें मिलने वाली राशि घटकर 40 रुपये रह गई है। जब किसानों ने इस कटौती का



कारण पूछा, तो समिति के अधिकारियों ने कथित तौर पर बताया कि यह राशि कर्मचारियों के वेतन, प्रशासनिक खर्च, त्योहार बोनस और महीने के अंत में मिलने वाले इंसेंटिव (प्रोत्साहन राशि) के लिए रोकी गई है।

उन्होंने बताया कि उन्हें जो विवरण दिया गया था, उसमें वेतन और प्रशासन के लिए 1.85 रुपये प्रति लीटर, पोंगल बोनस के लिए 1.15 रुपये और महीने के अंत में प्रोत्साहन राशि के रूप में भुगतान के लिए 1 रुपये शामिल थे।

किसानों का तर्क था कि इन कटौतियों से मूल्य संशोधन से मिलने वाली राहत कमजोर हो गई है, खासकर तब जब चारे, पशु आहार और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर खर्च बढ़ गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रशासनिक और संबंधित लागतें वहन करनी चाहिए, न कि उत्पादकों पर डालनी चाहिए।

हालांकि, आविन के तिरुची प्रबंधन ने कटौती को लेकर अलग ब्यौरा दिया है। उन्होंने बताया कि सहकारी दुग्ध समितियों के प्रशासनिक खर्चों के लिए 1.75 रुपये प्रति लीटर वसूले जा रहे हैं, जबकि 1 रुपया किसानों को भुगतान के लिए रखा जा रहा है। उत्पादकों को 2.75 रुपये की कटौती के बाद उनके बैंक खातों में 41.25 रुपये प्रति लीटर प्राप्त होंगे।

प्रबंधन ने कहा कि बोनस के लिए कोई अलग से कटौती नहीं की जाएगी। एकत्रित 1.75 रुपये में से आधा हिस्सा सोसायटी के खर्चों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, जबकि शेष राशि का उपयोग दूध उत्पादकों को बोनस वितरित करने के लिए किया जाएगा।

उत्पादक प्रतिनिधियों ने प्रति लीटर 1 रुपये की कटौती करने और बाद में प्रोत्साहन के रूप में उसे वापस करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया।

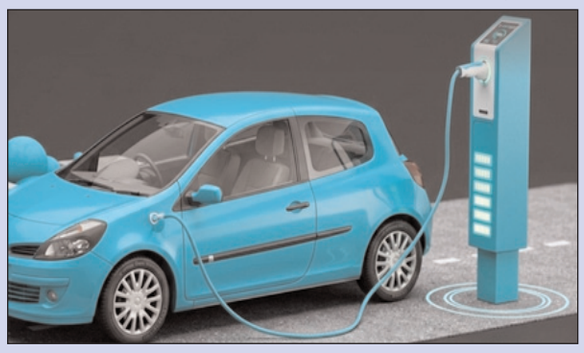
सितंबर में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री, 74 प्रतिशत बढ़कर 3.33 लाख यूनिट हुईः फाडा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार ने सितंबर 2026 में नया रिकॉर्ड बनाया। फाडा यानी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में देश में 3,33,634 इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 74 प्रतिशत अधिक है।

इस दौरान विभिन्न वाहन श्रेणियों में इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल पैठ बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर 2025 में यह करीब 10 प्रतिशत थी। यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि भारतीय उपभोक्ताओं के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि यह



केवल पिछले वर्ष के कमजोर आधार का परिणाम नहीं है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री ने वास्तविक रूप से नया सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया है।

उन्होंने आगे कहा कि त्योहारों की मांग, कम परिचालन लागत, मॉडलों के बढ़ते विकल्प और पीएम ई-ड्राइव व विभिन्न राज्यों की प्रोत्साहन योजनाओं ने इलेक्ट्रिक वाहनों को केवल एक वैकल्पिक विकल्प नहीं, बल्कि कई खरीदारों के लिए प्राथमिक विकल्प बनाना शुरू कर दिया है।

गिरिधर ने कहा कि अब यह केवल सब्सिडी-आधारित बाजार नहीं रह गया है, बल्कि मांग-आधारित विकास की कहानी बन चुका है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी भारत की विकास यात्रा का एक स्थायी हिस्सा बन चुकी है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (ई2डब्ल्यू) की बिक्री में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई। सितंबर में इनकी खुदरा बिक्री 2,07,314 यूनिट रही, जो वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 88.67 प्रतिशत और मासिक आधार पर 13.16 प्रतिशत अधिक है। इस श्रेणी में ईवी पैठ बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 8.2 प्रतिशत थी।

वहीं, इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों (ईपीवी) ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। सितंबर में इनकी बिक्री 36,108 यूनिट रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 94.56 प्रतिशत और अगस्त की तुलना में 17.63 प्रतिशत अधिक है। इस श्रेणी में ईवी पैठ बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गई, जो एक वर्ष पहले 5.7 प्रतिशत थी।

इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहनों (ई3डब्ल्यू) की बिक्री 86,024 यूनिट रही, जिसमें सालाना आधार पर 40 प्रतिशत और मासिक आधार पर 7.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ पहले से ही बेहद मजबूत है और सितंबर में यह 64.9 प्रतिशत रही।

कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'जीएसटी और भारतीय अर्थव्यवस्था' पर विशेष व्याख्यान

विश्व केसरी■

रायपुर। कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी (KVGU), रायपुर के स्कूल ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट द्वारा 7 अक्टूबर 2026 को 'GST और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका असर' विषय पर एक ज्ञानवर्धक गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में BBA और BCOM के 70 से अधिक उत्साही विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेंबर्स ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

प्रो. वाई. नरसिम्हुल्लू — कुलपति, कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर

डॉ. रितेश कुमार देवांगन — कुलसचिव (रजिस्ट्रार), कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर

डॉ. सीमा अग्रवाल — निदेशक (IQAC), कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर

डॉ. संदीप सोनकर — परीक्षा नियंत्रक (COE), कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर

सत्र के मुख्य वक्ता, विवेकानंद मानव उत्कृष्टता संस्थान (रायपुर) के सहायक प्रोफेसर और कराधान, जीएसटी कानून एवं भारतीय अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञ एम. आदि शेषय्या ने व्यावहारिक उद्योग मानकों के साथ सैद्धांतिक ज्ञान का बेहतरीन समन्वय करते हुए एक आकर्षक प्रस्तुति दी।

अपने व्याख्यान के दौरान, शेषय्या ने 1 जुलाई 2017 को 'एक राष्ट्र, एक कर' के सिद्धांत के तहत वस्तु एवं सेवा कर (GST) के कार्यान्वयन के बाद से



इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। रोज़मर्रा के सरल उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने दोहरे कराधान के प्रभाव को समाप्त करने तथा उत्पाद शुल्क (Excise), वैट (VAT) और सेवा कर (Service Tax) जैसे पूर्ववर्ती अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत करने के लिए त्रस्ञ्ज की आवश्यकता को समझाया। उन्होंने कर ढांचे की व्यावहारिक कार्यप्रणाली को स्पष्ट करते हुए CGST, SGST, IGST और UTGST की संरचनात्मक भूमिका के साथ-साथ 0% से 28% तक के विभिन्न कर स्लैब की विस्तृत जानकारी दी।

व्यापक आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए, श्री शेषय्या ने बताया कि कैसे त्रस्ञ्ज ने सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि को बढ़ावा दिया है, राष्ट्रीय कर आधार को 1.4 करोड़ से अधिक करदाताओं तक पहुँचाया है, राज्य की चेक-पोस्टों को हटाकर लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार किया है, तथा 'मेक इन इंडिया' और 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिजनेस' जैसी पहलों को मजबूत किया है। छोटे और मध्यम उद्यमों (SMEs) के लिए अनुपालन के बोझ और त्रस्ञ्ज पोर्टल से जुड़ी शुरुआती तकनीकी चुनौतियों जैसी कठिनाइयों को स्वीकार करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ई-इनवॉइसिंग, सरल त्रस्ञ्जक फाइलिंग और कंपोजीशन स्कीम जैसे हालिया सुधार व्यवसाय और उपभोक्ता दोनों के लिए प्रक्रिया को सुगम बना रहे हैं।

यह कार्यक्रम एक रोचक और संवादात्मक प्रश्नोत्तर (Q&A) सत्र के साथ संपन्न हुआ, जहाँ विद्यार्थियों ने स्टार्टअप्स के लिए त्रस्ञ्ज अनुपालन, ई-कॉमर्स और एक प्रमाणित GST प्रैक्टिशनर के रूप में करियर के बढ़ते अवसरों जैसे व्यावहारिक विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम का समापन स्कूल ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष अपूर्व जडेजा के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए श्री शेषय्या का आभार व्यक्त किया, निरंतर सहयोग के लिए KVGU प्रबंधन को धन्यवाद दिया ।

रेपो रेट को 25 आधार अंक बढ़ाना 'संतुलित कदम', कर्ज लेना होगा महंगा : शीर्ष बैंक अधिकारी

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी से होम लोन ग्राहकों और छोटे कारोबारों के लिए कर्ज लेना महंगा होने की उम्मीद है। शीर्ष बैंकरों और अर्थशास्त्रियों ने बुधवार को कहा कि इस कदम का उद्देश्य अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास गति को प्रभावित किए बिना महंगाई के दबाव को नियंत्रित करना है।

इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि ऊंची ब्याज दरों का असर स्वाभाविक रूप से कर्ज लेने वालों खासकर होम लोन ग्राहकों और छोटे कारोबारों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बैंकों



को ऊंची ब्याज दरों के असर को ग्राहकों तक पहुंचाने और उत्पादक कर्ज की मांग को लगातार समर्थन देने के बीच संतुलन बनाना होगा।

श्रीवास्तव ने आरबीआई द्वारा रेपो रेट को 25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत करने के फैसले को 'संतुलित और पूर्व-सावधानी वाला कदम' बताया।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक ने ऊर्जा कीमतों, कमजोर मानसून और अल नीनो की स्थिति से जुड़े आपूर्ति-पक्ष के दबाव के बीच बढ़ते महंगाई जोखिमों को देखते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, 'ऊंची ब्याज दरों का असर स्वाभाविक रूप से कर्ज लेने वालों खासकर होम लोन ग्राहकों और छोटे कारोबारों पर पड़ेगा। बैंकों को ऊंची ब्याज दरों के असर को कर्ज लेने वालों तक पहुंचाने और साथ ही उत्पादक कर्ज की मांग को समर्थन देने के बीच संतुलन बनाना होगा।'

एचडीएफसी बैंक की प्रमुख अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता ने कहा कि आरबीआई ने प्रमुख वैश्विक केंद्रीय बैंकों के अनुरूप ब्याज दरों में बढ़ोतरी का चक्र शुरू किया है।

आरबीआई एमपीसी बैठकः वित्त वर्ष 2027 के लिए 7.1 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का अनुमान, नीतिगत रुख सख्त

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती महंगाई के जोखिमों के बावजूद आरबीआई ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भरोसा जताया है।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद गवर्नर ने कहा कि घरेलू आर्थिक गतिविधियां वैश्विक चुनौतियों के बीच भी लचीली बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज की, जो मजबूत घरेलू मांग और



निवेश गतिविधियों का परिणाम है।

आरबीआई के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (क्यू2) में वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही (क्यू3) में 6.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही (क्यू4) में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए भी 7.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान केंद्रीय बैंक के अर्थव्यवस्था पर बने विश्वास को दर्शाता है।

गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों में कारोबारी गतिविधियां विस्तार की राह पर हैं। दूसरी तिमाही के दौरान मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज पीएमआई वृद्धि क्षेत्र में बने रहे, हालांकि उनकी गति पिछली तिमाही की तुलना में कुछ धीमी हुई है।

महंगाई के मोर्चे पर आरबीआई ने चिंता जताई है। गवर्नर ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति का दबाव अब व्यापक रूप लेता जा रहा है और चीनी तथा प्याज जैसी वस्तुओं की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अगस्त में खाद्य और ईंधन महंगाई दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसका एक कारण आधार प्रभाव (बेस इफेक्ट) भी रहा।

उन्होंने कहा कि आरबीआई महंगाई के रुझानों का आकलन करने के लिए महंगाई अपेक्षाओं, कंपनियों के मूल्य निर्धारण व्यवहार, कोर इन्फ्लेशन और विभिन्न आर्थिक संकेतकों पर लगातार नजर रख रहा है।

दूर से कोई नहीं पहचान पाएगा असली या नकली, 100 रुपये से शुरू हैं ये गोल्डन कंगन, कीमत जानकर चौंक जाएंगे



सोने की कीमत बढ़ने के कारण महिलाओं के लिए सोने के कंगन खरीदना महंगा हो गया है. ऐसे में फिरोजाबाद की प्रसिद्ध चूड़ी मार्केट में सोने जैसे दिखने वाले आर्टिफिशियल गोल्डन कंगन महिलाओं को खूब पसंद आ रहे हैं. लोटस और पीकॉक से लेकर पंजाबी, डायमंड और एडी वर्क तक कई डिजाइन उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 100 रुपये से शुरू होकर 1,000 रुपये तक है.

फिरोजाबाद. सोने की बढ़ती कीमतों के बीच महिलाओं के लिए गहने खरीदना महंगा हो गया है. खासकर सोने के कंगनों की कीमत ज्यादा होने के कारण महिलाएं अब आर्टिफिशियल कंगनों की ओर रुख कर रही हैं.

फिरोजाबाद की प्रसिद्ध चूड़ी मार्केट में सोने जैसे दिखने वाले गोल्डन कंगन महिलाओं को खूब पसंद आ रहे हैं. इन कंगनों की डिजाइन सोने के कंगनों जैसी ही तैयार की गई है, जिससे इन्हें देखकर आसानी से पहचान पाना मुश्किल होता है. महिलाएं इन कंगनों को चूड़ियों के साथ सेट बनवाकर भी पहन रही हैं.

फिरोजाबाद की गली बोहरान में चूड़ी की दुकान चलाने वाले शिवांग गुप्ता ने लोकल 18 को बताया कि त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है और इस दौरान महिलाएं कंगन पहनना पसंद करती हैं. हालांकि इस बार सोने के दाम काफी ज्यादा हैं, इसलिए महिलाएं सोने जैसे दिखने वाले आर्टिफिशियल कंगनों को पसंद कर रही हैं. दुकानदार के मुताबिक बाजार में सोने के कंगनों जैसी कई डिजाइन उपलब्ध हैं, जिन्हें महिलाएं अपनी पसंद के अनुसार खरीद सकती हैं.

इन आर्टिफिशियल गोल्डन कंगनों में लोटस, पीकॉक समेत कई तरह की डिजाइन मिल रही हैं. दुकानदार के पास करीब 30 डिजाइन उपलब्ध हैं. इन कंगनों को चूड़ियों के साथ सेट बनाकर शादी, पार्टी या त्योहारों में भी पहना जा सकता है. खास बात यह है कि इनकी डिजाइन काफी हद तक सोने के कंगनों जैसी रखी गई है, इसलिए दूर से देखने पर ये असली सोने के कंगन जैसे नजर आते हैं.

दुकानदार ने बताया कि बाजार में पंजाबी, डायमंड और एडी वर्क वाले कंगनों की भी कई डिजाइन उपलब्ध हैं. इनकी कीमत 100 रुपये से शुरू होती है और करीब 1,000 रुपये तक के कंगन आसानी से मिल जाते हैं.

कम कीमत होने के कारण महिलाएं अपनी पसंद और बजट के हिसाब से कई डिजाइन खरीद सकती हैं. दुकानदार के मुताबिक इन कंगनों की एक खासियत यह भी बताई जा रही है कि ये जल्दी काले नहीं पड़ते और लंबे समय तक अपनी चमक बनाए रखते हैं.

सोने की कीमतों के बीच कम बजट में गोल्डन लुक पाने के लिए ये आर्टिफिशियल कंगन महिलाओं के बीच पसंद किए जा रहे हैं. त्योहारों और शादी-पार्टी के सीजन को देखते हुए चूड़ी बाजार में इनकी मांग भी बढ़ रही है।



मेथी, चुकंदर और ब्रोकली, अक्टूबर में घर पर उगाएं ये 5 सब्जियां, जानें वेजिटेबल गार्डनिंग की आसान विधि



सर्दियां ताजी सब्जियों का मौसम होता है. अच्छी बात ये है कि इन्हें आप अपन घर पर भी उगा सकते हैं. यहां ऐसी 5 सब्जियों के बारे में जानें जिन्हें गमलों में आसानी से उगाया जा सकता है. अक्टूबर का महीना इन सब्जियों को उगाने के लिए बेस्ट है, यदि आप पूरी ठंड ताजी सब्जियों का स्वाद लेना चाहते हैं

मेथी- यदि आप ठंड के मौसम में मेथी के पराठे, पुलाव और सब्जी खाना पसंद है, तो इसे आप घर ही उगा सकते हैं. इससे आपको बार-बार मार्केट जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. इसे आप सूखी धनिया के बीजों से उगा सकते हैं. लेकिन इसके लिए साबूत बीजों को छांटकर उन्हें 24 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखना जरूरी है.

उगाने का तरीका- मिट्टी,कोकोपीट और खाद मिलाकर गमला तैयार करें और इसमें थोड़ी-थोड़ी दूरी पर धनिया के एक-एक बीजों को उंगली से दबा दें. रोजाना पानी स्प्रे करें जिससे मिट्टी में नमी बनी रहे. 15-20 दिन में छोटे-छोटे पौधे नजर आने लगेंगे और लगभग एक महीने में ये काटने लायक हो जाएंगे. फिर इसे आप ऊपर से तोड़कर यूज कर सकते हैं, और पौधे धीरे-धीरे ग्रो करते रहेंगे.

ब्रोकली- कई सारे लोग ब्रोकली हेल्दी डाइट का अहम हिस्सा मानते हैं. हालांकि ये गोभी की फैमिली की ही सब्जी है, लेकिन इसे ज्यादा बेहतर माना जाता है. बाजार में इसकी कीमत भी ज्यादा होती है, लेकिन क्वालिटी का भी कई बार खराब होती है. ऐसे में इसे घर पर उगाना एक अच्छा विकल्प होता है.

उगाने का तरीका- ड्रेनेज वाले गमले में मिट्टी को कोकोपीट और खाद मिलाकर पॉट मिक्सिंग बनाएं. इसके बाद ब्रोकली के बीजों को मिट्टी में दबाकर एक लेयर मिट्टी फैला दें. फिर पानी छिड़क दें. गमले को कुछ दिन छांव में रखने के बाद ऐसी जगह पर रखें जहां 1-2 घंटे धूप आती हो.10 दिनों में पौधे निकलने लगेंगे. सावधानी से एक-एक पौधे को अलग-अलग गमले में शिफ्ट कर दें.15 दिनों के भीतर सभी गमलों में खाद डालें, इससे पौधों को पोषण मिलेगा और 3 महीने बाद ब्रोकली उगने लगेगा.

चुकंदर- चुकंदर सेहत के लिए अच्छा माना जाता है. कई लोग इसका सूप ठंड के दिनों में पीना पसंद करते हैं, वहीं कुछ लोग इसे सलाद में भी शामिल करते हैं. यदि आप भी चुकंदर खाना पसंद करते हैं, तो इसे घर पर उगाना अच्छा विकल्प है.

उगाने का तरीका नर्सरी से चुकंदर के बीज लाएं और पॉट मिक्स तैयार करें. अब गमले में इसे डालकर इसमें बीजों को ब्रोकली के बीजों की तरह ही बो दें. मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मिट्टी पर पानी स्प्रे करते रहे. 24 दिन में बीज अंकुरित हो जाएंगे. गमले को ऐसी जगह पर रखें जहां 4-5 घंटे धूप आती है. जब पौधे नजर आने लगे उसके बाद इसमें हफ्ते में सिर्फ एक बार ही पानी डालें।

बच्चा बार-बार 'मुझे बोर हो रहा है' कहता है? हर बार फोन देने की बजाय ये तरीका अपनाएं



बच्चे का बार-बार 'मुझे बोर हो रहा है' कहना माता-पिता के लिए परेशानी बन जाता है. ऐसे में हर बार मोबाइल या टीवी देने की बजाय बच्चे को खुद से खेलने और कुछ नया करने के लिए प्रोत्साहित करें. जानिए बोरियत दूर करने के ऐसे आसान तरीके, जो बच्चे को स्क्रीन से दूर रखने में मदद कर सकते हैं.

'मम्मी, मैं बोर हो रहा हूं', 'पापा, करने को कुछ नहीं है...' बच्चों के मुंह से ऐसी बातें अक्सर सुनने को मिलती हैं. जैसे ही बच्चा बोर होने की शिकायत करता है, कई माता-पिता उसे चुप कराने के लिए मोबाइल या टीवी दे देते हैं. इससे बच्चा कुछ देर के लिए व्यस्त तो हो जाता है, लेकिन हर बार बोरियत का समाधान स्क्रीन बन जाए, तो बच्चा खुद से कुछ करने की कोशिश कम कर सकता है.

अगर बच्चा बार-बार कहता है कि उसे बोरियत हो रही है, तो सबसे पहले उसकी बात को नजरअंदाज करने के बजाय उससे पूछें कि वह क्या करना चाहता है. इसके बाद उसे कुछ विकल्प दें. मसलन, आप कह सकते हैं, 'तुम ड्रॉइंग करना चाहोगे या अपना पसंदीदा गेम खेलना?' बच्चे को दो-तीन आसान विकल्प देने से वह खुद फैसला लेना सीखता है. हर बार माता-पिता को ही उसके लिए कोई एक्टिविटी तय करने की जरूरत नहीं है.

कुछ समय बच्चे को खुद खेलने दें

बच्चे के हर खाली समय को किसी एक्टिविटी से भरना जरूरी नहीं है. कभी-कभी उसे कुछ समय बिना किसी तय काम के भी रहने दें. इस दौरान बच्चा अपने खिलौनों से खेल सकता है, कहानी बना सकता है, ड्रॉइंग कर सकता है या घर में मौजूद चीजों से कोई नया खेल सोच सकता है. शुरुआत में बच्चा बार-बार कह सकता है कि वह बोर हो रहा है, लेकिन धीरे-धीरे वह खुद कुछ करने के तरीके खोज सकता है।

शादी के लिए लहंगा खरीदना क्यों नहीं बेस्ट च्वाइस, ये 5 वजहें जिससे ब्राइड को खुद होता है पछतावा



क्या आप भी अपनी शादी के लिए एक डिजाइनर लहंगा खरीदने का प्लान कर रही है? यदि हां तो ये लेख आपके लिए है. यहां आप ऐसी 5 चीजों के बारे में जान सकती है, जो आपको ये सोचने पर मजबूर कर देगी कि आपको ब्राइडल लहंगा खरीदना चाहिए या नहीं? साथ ही लहंगे पर कितना खर्च करना सही होगा?

दुल्हन बनना हर लड़की के लिए बहुत ही खास पल होता है. इस मौके पर हर कोई सबसे सुंदर दिखना चाहता है, ऐसा जोड़ा चाहता है जिसकी तारीफ सालों तक लोग करते रहे. ऐसे में ब्राइडल लहंगा पहनना बहुत ही कॉमन हो गया है. या यूं कहे कि ब्राइडल लहंगा पहनना प्रेशर बन गया है. लेकिन क्या आपको ब्राइडल लहंगा खरीदना चाहिए? अगर इस सावल की गंभीरता को आप नहीं समझ पा रहे हैं, तो यहां ब्राइडल लहंगे से जुड़ी कुछ सच्चाई के बारे में जान लीजिए.

हाई बजट- ब्राइडल लहंगों पर बहुत ज्यादा कारीगरी की जाती है, जिससे वो काफी महंगे होते हैं. आज के समय में 25000 हजार से कम में अच्छा ब्राइडल लहंगा नही मिलता है. वहीं यदि आप किसी डिजाइनर का लहंगा पहनने का शौक रखती है तो इसके लिए आपको 1-2 लाख रूपए कम से कम खर्च करना पड़ जाएगा. वैसे तो अपनी शादी में सबसे अलग और खूबसूरत दिखने के ख्याल में ये रकम भी ज्यादा नहीं लगती है. लेकिन शाद के कुछ समय बाद समझ आता है कि ये एक फालतू खर्च था.

पहनना मुश्किल- ब्राइडल लहंगा दुकान पर जब तक डमी पर लगा होता है, इसे पहनने का सपना तब तक ही अच्छा लगता है.क्योंकि इसे पहनकर लंबे घंटों तक बैठना कितना मुश्किल है ये सिर्फ एक ब्राइड ही समझ सकती है. ऐसे में लहंगा खरीदने से पहले खुद से ये सवाल पूछना जरूरी है कि क्या आप अपनी शादी में जब कई सारे इमोशन्स फील हो रहे हो, जिंदगी का सबसे बड़ा मूवमेंट हो तब आप लहंगे के भार के कारण थका हुआ महसूस करना चाहेगी?

वेस्ट ऑफ मनी- यदि आप इतना कमाती है, कि पैसा कैसे खर्च करे ये टेंशन रहती है तभी आपको लहंगा खरीदना चाहिए. क्योंकि एक बार पहनने के लिए किसी कपड़े पर सिर्फ अमीर लोग ही लाखों खर्च करते हैं. यदि आपको बजट का ध्यान रखना पड़ता है तो एक महंगा लहंगा सिर्फ आपके लिए एक समय के बाद पछतावा बनकर रह जाएगा.दोबारा कभी नहीं पहन सकते- जरा सोचिए आप अपनी शादी का ब्राइडल लहंगा जिंदगी में कितनी बार दोबारा पहनना चाहेंगे? यदि आपको लगता है कि शायद एक करवाचौथ पर, तो बेहतर है कि आप लहंगे पर पैसा न लगाएं. इससे बेहतर आप एक महंगी साड़ी खरीद सकते हैं. इससे भी आप अपनी शादी में रॉयल लग सकती हैं, साथ ही इसे कितनी ही बार पहन भी सकती है।

बारिश में चाय के साथ चाहिए कुछ कुरकुरा? निमाड़ की आलू-पोहे टिकिया का स्वाद एक बार जरूर चखें



मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल और बुरहानपुर में बरसात के मौसम में आलू और पोहे से बनने वाली कुरकुरी टिकिया बेहद लोकप्रिय है. इसे घर पर आसानी से उबले आलू, पोहे और मसालों के साथ तैयार किया जा सकता है.

मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल में बरसात का मौसम आते ही कई तरह के स्वादिष्ट और पारंपरिक व्यंजन लोगों की पसंद बन जाते हैं. इनमें आलू और पोहे की टिकिया खास तौर पर लोगों को खूब पसंद आती है. बुरहानपुर में बारिश के दिनों में घरों से लेकर नाश्ते की दुकानों तक यह कुरकुरी टिकिया आसानी से देखने को मिल जाती है. बच्चे हों या बड़े हर उम्र के लोगों की यह पसंदीदा नाश्ते में शामिल है.

एक्सपर्ट महिला ने दी जानकारी

लोकल 18 की टीम को एक्सपर्ट महिला फूलाबाई ने जानकारी देते हुए बताया कि इस टिकिया की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे घर पर बहुत आसानी से और कम समय में तैयार किया जा सकता है. इसके लिए मुख्य रूप से उबले हुए आलू पोहा नमक हरी मिर्च अदरक, धनिया और मसालों का इस्तेमाल किया जाता है. स्वाद के अनुसार इसमें लाल मिर्च चाट मसाला और थोड़ा नींबू का रस भी मिलाया जा सकता है.

ऐसे बनाएं आलू-पोहे की टिकिया

सबसे पहले पोहे को पानी से हल्का भिगोकर कुछ देर के लिए रख दें. इसके बाद उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें.अब इसमें पोहा, बारीक कटी हरी मिर्च, अदरक हरा धनिया नमक और पसंद के अनुसार मसाले डालकर सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें. मिश्रण तैयार होने के बाद हाथों से इसकी छोटी-छोटी गोल टिकिया बनाएं।

भारत का ये गांव कहलाता है 'मिनी इजरायल', खूबसूरती पर फिदा विदेशी, 2 किमी दूर से ही क्यों लौट आते हैं भारतीय?

भारत में खूबसूरती की कोई सीमा नहीं है. यहां ऐसी-ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में खुद भारतीय लोगों को नहीं पता होता है, लेकिन विदेशियों में ये बहुत लोकप्रिय हैं. यहां हर साल हजारों विदेशी आते हैं, लुत्फ उठाते हैं और शहर लौट जाते हैं, जबकि भारतीय लोग इन जगहों से किलो दो किलोमीटर की दूरी पर अपने जान-पहचान के शहरों या गांवों से होकर लौट जाते हैं. आज हम आपको ऐसे ही एक गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे मिनी इजरायल कहते हैं..असल में यह भारत के हिमाचल प्रदेश का एक छोटा सा गांव है.

इजरायल के बारे में तो आपने सुना ही होगा, वह एक देश है, लेकिन आपसे कहा जाए कि भारत में भी एक इजरायल है तो शायद आपको यकीन न हो. पर ये सच है. भारत के हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा छोटा सा गांव है जिसे मिनी इजरायल के नाम से जाना जाता है.



यह इतना खूबसूरत है कि विदेशी और खासतौर पर इजरायली लोग फिदा हैं. वे जब भारत आते हैं तो इस गांव में जाकर ठहरते हैं, यहां फलाफल का स्वाद चखते हैं और हिब्रू बोलते हैं. यह गांव उनके लिए घर जैसा है, जिसका नाम है धर्मकोट.

बता दें कि दशकों से इजराइल के लोग कांगड़ा जिले के धर्मकोट में शांति की तलाश में आते रहे हैं. आज इस गांव ने खुद को अपने मेहमानों के हिसाब से इतना बदल लिया है कि यह भारत का शहर ही नहीं लगता, बल्कि इजरायल जैसा लगता है और यही वजह है कि जब सैलानी आते हैं तो वे पूछते हैं कि मिनी इजरायल कहां है? यह कांगड़ा जिले का एक पॉपुलर स्थल है.

यह मिनी इजरायल, हिमाचल प्रदेश में धौलाधार पर्वत श्रृंखला से जुड़ा और धर्मशाला के मैक्लोडगंज से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद एक गांव है. भले ही इनके बीच में दो किमी की दूरी है लेकिन धर्मकोट और मैकलॉडगंज के माहौल में जमीन और आसमान का अंतर है. धर्मशाला से ऊपर चढ़ते हुए मैकलॉडगंज के बौद्ध प्रार्थना झंडे, चमकदार कैफे और मोमो, लाफिंग की खुशबू जहां खत्म हो जाती है, वहां से हिब्रू भाषा के साइनबोर्ड, घर जैसी बेकरी और ताजी बेकी हुई चल्लाह ब्रेड की खुशबू शुरू हो जाती है. यहीं से धर्मकोट शुरू हो जाता है.

धर्मकोट हिमाचल की राजधानी शिमला से करीब 240 किलोमीटर दूर है. इसका सबसे नजदीकी शहर धर्मशाला है और निकटतम हवाई अड्डा कांगड़ा के गग्गल में करीब 20 किलोमीटर दूर है. यहीं से इजरायल से उतरने वाले मेहमान सीधा ढूंढते हुए धर्मकोट पहुंचते हैं और शांति महसूस करते हैं. आज यह भारत में इजरायलियों का सबसे पसंदीदा स्थान बन गया है.

यहां कई ऐसे इजरायली हैं जो पूरी तरह भारत के रंग में रंग चुके हैं, यहां शादी कर चुके हैं, यहीं रहकर बच्चे पाल रहे हैं. जबकि एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है जो यहां सिर्फ टूरिस्ट वीजा पर घूमने आते हैं. धर्मकोट के ठीक पास में ही भागसूनाग भी है. लेकिन सबसे दिलचस्प है ।



मुंबई में अर्चना गौतम के कैफे में हुई चोरी

सीसीटीवी फुटेज शेयर कर सभी से सतर्क रहने की अपील



मुंबई। अभिनेत्री और रियलिटी टीवी शख्सियत अर्चना गौतम के कैफे में सोमवार तड़के चोरी हो गई। अभिनेत्री ने इस घटना का सीसीटीवी फुटेज शेयर करते हुए अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लोगों से सतर्क रहने और अपने घरों और व्यवसायों की सुरक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीसीटीवी फुटेज का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें चोर को कैफे में घुसकर कथित तौर पर पूरा कैश काउंटर ले जाते हुए देखा जा सकता है। अर्चना ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई है और मुंबई पुलिस से जल्द कार्रवाई करने की अपील की है।

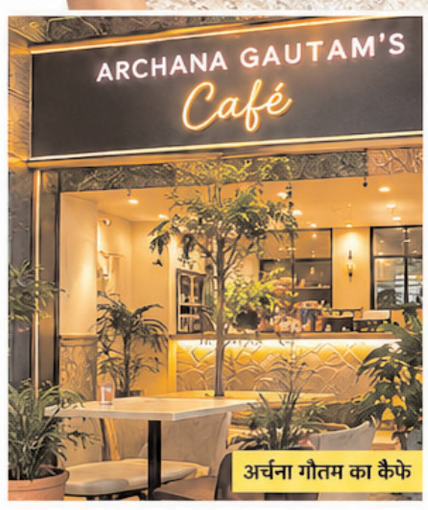


कैफे में चोरी करते चोर की सीसीटीवी फुटेज

> मैंने इस कैफे को बहुत प्यार और मेहनत से बनाया है, जिसके लिए मैंने अपनी सारी जमा-पूंजी लगा दी। लेकिन एक चोर मेरे कैफे में घुसकर पूरा कैश काउंटर ही उठाकर ले गया।
> – अर्चना गौतम

सीसीटीवी फुटेज साझा करते हुए अर्चना ने लोगों से सतर्क रहने और अपने घरों और व्यवसायों की सुरक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, "मैं आप सभी के साथ मुंबई में अपने कैफे में हुई चोरी की सीसीटीवी फुटेज साझा कर रही हूं ताकि आप भी सतर्क रहें और अपने घरों और व्यवसायों की सुरक्षा का ध्यान रखें।"

अभिनेत्री ने आगे लिखा, "मैंने इस मामले की एफआईआर दर्ज करा दी है और मुंबई पुलिस से विनम्र अनुरोध है कि इस व्यक्ति को जल्द से जल्द तलाश कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। मुंबई हमेशा से मुझे एक सुरक्षित शहर लगा है, इसलिए इस घटना ने मुझे बहुत दुखी किया है। आप सभी से बस यही अनुरोध है। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और अपने आसपास की सुरक्षा का ध्यान रखें।"



अर्चना गौतम का कैफे

मनोरंजन जगत के कई कलाकारों ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री द्वारा शेयर की गई पोस्ट पर मनोरंजन जगत के कई कलाकारों ने प्रतिक्रिया दी। बता दें कि अर्चना ने अक्टूबर 2025 में मुंबई में आउटलेट खोलकर फूड बिजनेस में कदम रखा था। उन्होंने सेलिबिटी मास्टरशेफ इंडिया में अपने काम के दौरान खाना पकाने में अपनी दिलचस्पी भी दिखाई थी।

प्रिंस नरूला को गेम खेलते देख युविका चौधरी का भी मचल उठा मन, बोलीं- 'उन्हें एंजॉय करते देखा तो मैं भी आ गई'



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस युविका चौधरी हाल ही में अपने पति और एक्टर प्रिंस नरूला के साथ 'इंडियन गेम शो' में नजर आईं। शो में दोनों ने साथ मिलकर खूब मस्ती की और गेम्स का मजा लिया। युविका ने बताया कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसकी वजह से उन्होंने इस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया।

एक्ट्रेस ने कहा कि जब उन्होंने प्रिंस को शो में गेम खेलते और पूरी तरह एंजॉय करते देखा, तो उनका भी मन हुआ कि वह इस एक्सपीरियंस का हिस्सा बनें और पति के साथ मिलकर मस्ती करें।

आईएएनएस के साथ बात करते हुए युविका चौधरी ने कहा, ''भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के साथ 'इंडियन गेम शो' में आना मेरे लिए काफी मजेदार और फ्रेश एक्सपीरियंस रहा। मैं इस शो में प्रिंस की वजह से आई। जब मैंने उन्हें यहां गेम खेलते और इतना एंजॉय करते देखा, तो मुझे लगा कि मैं भी यहां आकर उनके साथ इस एक्सपीरियंस को जीना चाहती हूं।''

युविका ने कहा, ''प्रिंस को गेम खेलते देखना और उनकी एनर्जी ने मुझे शो में आने के लिए मोटिवेट किया। हम दोनों वैसे भी साथ समय बिताते हैं, लेकिन इस तरह अचानक कोई गेम खेलना, साथ हंसना, एक-दूसरे से कॉम्पिट करना और एक-दूसरे की टांग खींचना हमारे लिए बिल्कुल अलग अनुभव था।''

होस्ट भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया की युविका ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''दोनों ने इस पूरे अनुभव को और भी ज्यादा मजेदार बना दिया। यह ऐसा शो है, जहां लोग अपने बचपन के दिनों को फिर से जी सकते हैं और सिर्फ खुद ही नहीं, बल्कि पूरी फैमिली के साथ इन मजेदार पलों का हिस्सा बन सकते हैं। प्रिंस नरूला और युविका चौधरी, दोनों की पहली मुलाकात रियलिटी शो 'बिग बॉस 9' के दौरान साल 2015 में हुई थी। शो में प्रिंस को युविका पसंद आ गई थीं।

जस्सी का असली चेहरा छिपाने के लिए मोना सिंह को रहना पड़ा होटल में, बदलवा दी गई थी कार



विश्व केसरी■

मुंबई। मनोरंजन जगत में कई कलाकारों को उनके किरदार से इतनी शोहरत मिल जाती है कि लोग उन्हें उनके असली नाम से भी पहले उसी किरदार से जानते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के लिए वह किरदार 'जस्सी' का था। शो की लोकप्रियता इतनी ज्यादा थी कि शुरुआत में मोना सिंह को अपनी पहचान छिपाकर रखने और कई सख्त नियमों का पालन करना पड़ा था।

8 अक्टूबर को पुणे में जन्मी मोना सिंह को टीवी सीरियल 'जस्सी जैसी कोई नहीं' ने एक आम लड़की की तरह सीधे लोगों के दिल में बसा दिया था। जस्सी वालिया की भूमिका ने मोना को घर-घर में लोकप्रिय बना दिया लेकिन इस मशहूर किरदार के पीछे उनकी जिंदगी की कहानी भी उतनी ही दिलचस्प है, जितनी खुद जस्सी की कहानी थी। छोटे पर्दे की इस जस्सी के लिए स्टारडम की चमक के साथ-साथ कई चुनौतियां भी आईं, जिनका सामना करते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई।

मोना सिंह ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि 'जस्सी जैसी कोई नहीं' के दौरान उन पर इतनी पाबंदियां थीं कि उनके खुद के को-स्टार्स को भी उनके बारे में पता नहीं था। इंटरव्यू में उन्होंने बताया था, जस्सी का लुक इतना साधारण था कि मुझे वैक्सिंग, थ्रेडिंग, आईब्रो करने की परमिशन नहीं था। इसके साथ ही, मेरे चेहरे पर ज्यादा बाल चिपका देते थे। मुझे अपना चेहरा ब्लीच करने की इजाजत तक नहीं थी। पाबंदियां इतनी सख्त थी कि शो में मेरे को-स्टार्स तक मुझे नहीं जानते थे कि मोना असल जिंदगी में कैसी दिखती हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि शो के लिए उन्हें पहला अवॉर्ड जसमीत वालिया के रूप में मिला था। उन्होंने कहा, उस समय यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि होती थी क्योंकि यह शो बहुत पॉपुलर था।

हालांकि, 'जस्सी जैसी कोई नहीं' के दौरान मीडिया ने शो के मेकर्स को चुनौती दी थी कि वे असली पहचान, उनका पता और असल जिंदगी और लुक का खुलासा जल्द ही करेंगे।

'वे मेरे को-स्टार, पड़ोसी और दोस्त थे', विनोद खन्ना को याद कर सिमी गरेवाल ने शेयर की पुरानी मेमोरी



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता विनोद खन्ना की 80वीं जयंती पर फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके पुराने फिल्मों के सीन और गाने शेयर कर उन्हें याद किया। इसी बीच एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स यूजर ने विनोद खन्ना और अभिनेत्री सिमी गरेवाल की फिल्म 'हाथ की सफाई' के लोकप्रिय गाने 'वादा कर ले सजना' की एक क्लिप शेयर की। इस वीडियो में दोनों कलाकार साथ नजर आ रहे हैं।

पोस्ट को सिमी गरेवाल ने भी रीशेयर किया और विनोद खन्ना से जुड़ी अपनी खास याद को फैंस के साथ साझा किया।

रिश्ते को याद किया। उन्होंने लिखा, ''धन्यवाद। मुझे उनकी याद आती है। विनोद मेरे को-स्टार, मेरे पड़ोसी और मेरे दोस्त थे।''

बता दें कि विनोद खन्ना और सिमी गरेवाल ने 1974 में रिलीज हुई फिल्म 'हाथ की सफाई' में साथ काम किया था। फिल्म का निर्देशन प्रकाश मेहरा ने किया था, जबकि इसकी कहानी सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म में विनोद खन्ना और सिमी गरेवाल के अलावा हेमा मालिनी और रणधीर कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। रंजीत और सत्येन कप्पू भी फिल्म का हिस्सा थे।

'हाथ की सफाई' एक क्राइम-ड्रामा फिल्म थी, जिसमें दो भाइयों की कहानी दिखाई गई थी, जो बचपन में एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं। विनोद खन्ना ने फिल्म में शंकर का किरदार निभाया था, जो आगे चलकर कुमार साहब के नाम से अपराध की दुनिया में पहुंच जाता है। वहीं रणधीर कपूर ने राजू का किरदार निभाया था, जो अलग परिस्थितियों में बड़ा होकर जेबकतरे का काम करने लगता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ दोनों भाइयों की जिंदगी एक-दूसरे से दोबारा जुड़ती है।

फिल्म में सिमी गरेवाल ने रोमा का किरदार निभाया था, जो शंकर की पत्नी हैं। हेमा मालिनी ने कामिनी का किरदार निभाया था। उस दौर की फिल्मों की तरह इसमें भी एक्शन, इमोशन और रोमांस देखने को मिला था।

यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए सिमी गरेवाल को टैग किया और लिखा, ''सिमी गरेवाल मैम, आपके को-स्टार विनोद खन्ना अगर जिंदा होते, तो 80 साल के होते। आप दोनों की यह एक शानदार याद है।'' इस पोस्ट को रीशेयर करते हुए सिमी गरेवाल ने विनोद खन्ना के साथ अपने

शोर-शराबे से दूर पहाड़ों में छुट्टियां मनाने पहुंची आशा पारेख, हेलेन और वहीदा रहमान

विश्व केसरी■

मुंबई। बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री आशा पारेख इन दिनों अभिनेत्री वहीदा रहमान और हेलन के साथ पहाड़ों की सैर पर हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने अपने वेकेशन की झलक पोस्ट की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें तीनों गर्मजोशी के साथ बैठी नजर आ रही हैं। अभिनेत्री आशा पारेख ने लिखा, 'पहाड़ों में अपने प्रिय दोस्तों हेलेन और वहीदा रहमान के साथ। उनके साथ यात्रा करना और उनके साथ अच्छा समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है।'

अभिनेत्री वहीदा रहमान, आशा पारेख और हेलेन की दोस्ती हिंदी सिनेमा की सबसे गहरी, पुरानी और खूबसूरत मिसालों में से एक है। इन्हें बॉलीवुड की 'गोल्डन गर्ल्स' भी कहा जाता है, जिनकी दोस्ती आज तक अटूट बनी हुई है।

उस दौर में शीर्ष अभिनेत्रियां होने के बावजूद उनके बीच कभी प्रतिस्पर्धा या ईर्ष्या नहीं आई, बल्कि उनका रिश्ता आपसी सम्मान और प्रगाढ़ स्नेह पर टिका है। तीनों को सजना-संवरना और पार्टियों या कार्यक्रमों में शामिल होना बेहद पसंद था। तीनों अक्सर साथ में डिनर, गेट-टुगेदर और विदेश यात्राएं करती हैं, जिसकी तस्वीरें और वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं।

हालांकि, गौर करने वाली बात यह भी है कि तीनों ने अपने लंबे और शानदार अभिनय करियर में साथ में किसी भी फिल्म में काम नहीं किया है।

कहा जाता है कि आशा पारेख के जीवन में एक ऐसा समय भी आया था, जब वह डिप्रेशन में चली गई थीं। उस समय वहीदा रहमान और हेलेन ने उन्हें अकेले नहीं छोड़ा था। दरअसल, जीवन के उस दौर में आशा पारेख अकेलेपन और गहरे अवसाद (डिप्रेशन) से जूझ रही थीं।

मराठी बीट, जबरदस्त हुकस्टेप और ईशा-गुरमीत की जोड़ी... 'नखरे' में मिलेगा फुल एंटरटेनमेंट

विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस ईशा मालवीय एक बार फिर सिंगर और हिटमेकर संजू राठौड़ के साथ नजर आने वाली हैं। दोनों अपकमिंग मराठी ट्रैक 'नखरे' के लिए दोबारा साथ आए हैं। इस गाने में ईशा के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।

गाने को लेकर ईशा ने कहा कि शूटिंग के दौरान हमें काफी मजा आया। इसमें यूथफुल अंदाज, मराठी म्यूजिक का टच और कैची हुकस्टेप देखने को मिलेंगे।

ईशा ने 'नखरे' के बारे में बात करते हुए कहा, ''नखरे में बहुत मजेदार और यूथफुल वाइब है। इस गाने के लिए संजू के साथ दोबारा काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। मुझे गाने का मराठी साउंड भी काफी पसंद आया। गुरमीत और मैंने इसकी शूटिंग के दौरान काफी एंजॉय किया, खासकर हुकस्टेप करते हुए। मैं बहुत खुश हूं कि आखिरकार गाना रिलीज हो गया है और अब लोग इसे एंजॉय कर सकते हैं।''



गाने का म्यूजिक एनर्जी से भरपूर है। इसमें ईशा और गुरमीत के बीच एक फ्रेश केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों एनर्जेटिक अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं।

गुरमीत चौधरी ने भी गाने की शूटिंग के अनुभव को शेयर किया। उन्होंने कहा, ''नखरे की एनर्जी काफी अलग है और इस गाने की शूटिंग करना वाकई बहुत मजेदार रहा। संजू ने इसमें अपना मराठी स्टाइल जोड़ा है, जिसकी वजह से गाना काफी फ्रेश लगता है। ईशा और मैंने इसकी शूटिंग के दौरान काफी मस्ती की। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक इस गाने को देख पाएंगे।''

गाने को संजू राठौड़ ने तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस गाने पर काम करना उनके लिए काफी मजेदार अनुभव रहा।

संजू ने कहा, ''नखरे का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मजेदार रहा। मुझे इस ट्रैक में अपना मराठी साउंड लाने और इतनी एनर्जेटिक बीट वाले गाने पर काम करने में बहुत मजा आया।

एस. जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री से की मुलाकात, 'ग्लोबल साउथ' साझेदारी और द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

विश्व केसरी■



अकरा। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घाना की राजधानी अकरा में अपने समकक्ष सैमुअल ओकुडजेटो अबलाकवा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और घाना के बीच व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रमुख रणनीतियों पर चर्चा की।

'ग्लोबल साउथ' के साझेदारों के तौर पर अपनी ऐतिहासिक एकजुटता और विकास की साझा आकांक्षाओं पर बात करते हुए दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, विकास सहायता, फार्मास्यूटिकल्स, क्षमता निर्माण, रक्षा और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेटो अबलाकवा के साथ व्यापक चर्चा हुई। 'ग्लोबल साउथ' के साझेदारों के तौर पर भारत और घाना दोनों विकास संबंधी समान आकांक्षाओं और ऐतिहासिक एकजुटता को साझा करते हैं। हमने व्यापार, निवेश, विकास, फार्मास्यूटिकल्स, क्षमता निर्माण, रक्षा, टेक्नोलॉजी और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में अपनी व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। साथ ही, हमने बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और अफ्रीकी संघ व पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय (ईसीओडब्ल्यूएस) के साथ भारत के जुड़ाव को और गहरा करने के बारे में भी बात की।'

एस. जयशंकर मंगलवार को घाना पहुंचे। इस यात्रा को लेकर भारत नई दिल्ली और अकरा के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक बातचीत की उम्मीद कर रहा है।

जयशंकर ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'अकरा, घाना पहुंचकर खुशी हुई। विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेटो अबलाकवा की ओर से किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभारी हूं। अपनी व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक बातचीत की उम्मीद है।'

इससे पहले, सोमवार को घाना के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि विदेश मंत्री जयशंकर की यात्रा दोनों देशों को एकजुटता और साझा मूल्यों के अपने बंधन को फिर से मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

मंत्रालय ने कहा, 'भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेटो अबलाकवा के निमंत्रण पर 6 से 7 अक्टूबर तक घाना की आधिकारिक यात्रा करेंगे। घाना इस ऐतिहासिक यात्रा पर एस. जयशंकर की मेजबानी करने के लिए उत्सुक है, जिससे दोनों देशों को एकजुटता और साझा मूल्यों के अपने अटूट बंधन को फिर से मजबूत करने का मौका मिलेगा।'

इसमें आगे कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, घाना और भारत के बीच बातचीत होगी।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार : मार्को रुबियो

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

रूबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के 'ट्रेंड' पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है।

रूबियो ने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरगेरदुर कैट्रिन गुन्नार्सडॉटिर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रूबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब नहीं है।

रूबियो ने कहा, 'अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे। रूबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, 'हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है।'

उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और 'हाई नॉर्थ' (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई।

संक्षिप्त खबर

तेल भंडार जारी करने के प्रस्ताव पर आईईए की बैठक आज

विश्व केसरी■



पेरिस। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का गवर्निंग बोर्ड बुधवार दोपहर आपात तेल भंडार से कच्चे तेल और डीजल जारी करने के प्रस्ताव पर अनौपचारिक बैठक करेगा। यूरोपीय संघ के दो राजनयिकों ने यह जानकारी दी। रॉयटर्स ने बताया कि राजनयिकों के मुताबिक, यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह हुई बैठक में इस प्रस्ताव की पहले ही समीक्षा कर ली है। इसके बाद आईईए के गवर्निंग बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बीच जी7 देशों ने पिछले सप्ताह आपात भंडार से कुल 10 करोड़ बैरल डीजल और कच्चा तेल जारी करने पर सहमति जताई थी। जी7 ने ऊर्जा के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगाने की प्रतिबद्धता भी जताई थी। हालांकि, तेल और ऊर्जा उद्योग में अभी भी इस बात को लेकर असमंजस बना हुआ है कि यूरोप और अमेरिका वास्तव में कितने बैरल तेल और डीजल बाजार में उतारेंगे। यह स्थिति ऐसे समय में है जब आपूर्ति की कमी और कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी से बाजार पर दबाव बढ़ा हुआ है। आईईए की प्रस्तावित बैठक ऐसे समय हो रही है जब प्रमुख तेल उत्पादक और उपभोक्ता देश ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने के लिए आपात भंडार के इस्तेमाल पर विचार कर रहे हैं।

गुजरात में महिला को पेड़ से बांधकर 'शुद्धिकरण' के नाम पर गैंगरेप, नौ लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी■



सुरेंद्रनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में एक विवाहित महिला के साथ मारपीट, अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने और सामूहिक बलात्कार के आरोप में दो महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना एक कथित 'शुद्धिकरण' अनुष्ठान के दौरान हुई, जिसमें महिला के किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध होने का आरोप था। घटना के वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए। यह मामला तब सामने आया जब महिला के साथ हिंसा और अपमान किए जाने के वीडियो ऑनलाइन सामने आए। पुलिस ने बताया कि महिला ने शुरू में उनसे संपर्क नहीं किया था लेकिन समुदाय के सदस्यों से मिली जानकारी के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई की और उसकी तलाश शुरू कर दी। सुरेंद्रनगर एसपी प्रेमसुख देलू ने कहा कि वीडियो की जानकारी मिलने के बाद महिला का पता लगाने के लिए कई पुलिस टीमों को तैनात किया गया था। अंतत: महिला का पता लगा लिया गया और उसे पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां उसका बयान दर्ज किया गया और उसे सुरक्षा प्रदान की गई। पुलिस शिकायत के अनुसार, महिला अपने पति को छोड़कर किसी दूसरे व्यक्ति के साथ रहने चली गई थी। उसके पति और रिश्तेदारों ने उसका पता लगाया और उसे एक घर में ले आए, जहां उसे ताले और जंजीरों से बांधकर रखा गया था। वह बाद में भाग निकली लेकिन आरोपियों ने उसे फिर से पकड़ लिया और रस्सियों से एक पेड़ से बांध दिया। आरोपी ने महिला और उसके साथ रह रहे पुरुष को 'शुद्धिकरण' अनुष्ठान करने के नाम पर शारीरिक उत्पीड़न और अपमान का शिकार बनाया।

भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में 'भारतीयता का एक हिस्सा' पहुंचा रहे: राजदूत क्वात्रा

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में 'भारतीयता का एक हिस्सा' पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत, वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है।

क्वात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कमर्शियल महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में क्वात्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी नजरिए से ज्यादा जरूरी बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।'

इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत के आवास पर इकट्ठा हुए। क्वात्रा ने मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों को हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है।

क्वात्रा ने कहा, 'मैं हमेशा लोगों से कहता हूं और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज में नहीं बदली है, तो वह हैं मसाले। मैं वही मसाला इस्तेमाल करता हूं जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वही मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।'

क्वात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है।

अदन एयरपोर्ट पर हूती हमले के बाद उड़ानें फिर शुरू

विश्व केसरी■



अदन। यमन में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद अदन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उड़ान सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। बुधवार को हूती विद्रोहियों ने हवाईअड्डे को निशाना बनाते हुए ड्रोन और दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं।

स्थानीय सूत्रों के हवाले से अल जजीरा ने बताया कि हमले के बाद हवाईअड्डे के कर्मचारियों और वहां मौजूद दो विमानों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। मिस्र की राजधानी काहिरा से अदन आ रही एक नागरिक उड़ान को रास्ते से ही जेद्दा के लिए मोड़ दिया गया था। विमान अदन में उतरने से कुछ ही मिनट दूर था, तभी हवाईअड्डे पर हमला हुआ।

इस बीच, यमन के पश्चिमी तट पर अल-वजीया मोर्चे पर सरकारी बलों और हूतियों के बीच भीषण लड़ाई जारी है। सऊदी अरब के समर्थन वाले गठबंधन ने ताइज के पश्चिम में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जबल अल-मंसूरा इलाके पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

सरकारी बलों ने हूती नियंत्रण से इस इलाके को वापस लेने के लिए सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण जबल अल-मंसूरा का सैन्य दृष्टि से खास महत्व है। यहां मौजूद ऊंचे स्थानों से धुबाब जिले और उसके आसपास के इलाकों में आगे बढ़ रही सेना को रणनीतिक बढ़त मिल सकती है।

अल-वजीया मोर्चे पर लड़ाई तेज होने के साथ ही हूती ठिकानों पर हवाई हमले भी किए जा रहे हैं। सरकारी बलों की कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य धुबाब और उसके आसपास के रणनीतिक इलाकों पर नियंत्रण मजबूत करना बताया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा: दनकौर में कॉलेज की जमीन पर कब्जे के आरोप से हंगामा, छात्रों ने तोड़ी बाउंड्रीवॉल

विश्व केसरी■



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र में बिहारी लाल एंग्लो संस्कृत हाई स्कूल एसोसिएशन इंटर कॉलेज की जमीन पर कथित रूप से अवैध कब्जा करने के प्रयास का मामला सामने आया है। बुधवार को जमीन पर निर्माण कार्य शुरू किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया।

स्कूल प्रबंधन ने जमीन को कॉलेज की संपत्ति बताते हुए निर्माण कार्य का विरोध किया। देखते ही देखते मौके पर स्कूल के छात्र भी पहुंच गए और निर्माण के लिए बनाई जा रही बाउंड्रीवॉल को तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

पुलिस के मुताबिक, थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम नवादा निवासी दो व्यक्तियों द्वारा दनकौर में कथित तौर पर जमीन खरीदी गई थी। बुधवार 7 अक्टूबर को जमीन खरीदारों की ओर से उक्त भूमि पर निर्माण कार्य शुरू कराया गया। इसकी जानकारी मिलने पर निजी कॉलेज, दनकौर के प्रधानाचार्य और प्रबंधक ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि जमीन को लेकर पहले से ही उपजिलाधिकारी दादरी की अदालत में वाद विचाराधीन है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पीआरवी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर विवादित जमीन पर चल रहे निर्माण कार्य को फिलहाल रुकवाया और मौके पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए। जमीन स्कूल के पास होने के कारण बड़ी संख्या में छात्र भी मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने छात्रों को समझाकर वापस स्कूल भेज दिया। राजस्व विभाग को भी मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

'खटारा बस परियोजना' से 'खटारा युवा नीति' है मध्य प्रदेश सरकार की पहचान : जीतू पटवारी

विश्व केसरी■



भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की मोहन यादव सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि खटारा बस परियोजना से खटारा युवा नीति राज्य सरकार की पहचान बन गई है। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने, रोजगार के नाम पर लगातार घोषणाएं करने, भर्ती परीक्षाओं में देरी और पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने तथा प्रदेश पर लगातार बढ़ता कर्ज डालने का गंभीर आरोप लगाया है।

पटवारी ने कहा कि इंदौर से उज्जैन जाते समय 'मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा' की चलती बस में आग लगने की घटना ने सरकार की योजनाओं की जमीनी हकीकत सामने ला दी है। जिस योजना को सरकार अपनी उपलब्धि बता रही थी, उसकी हालत ऐसी है कि चलती बस में आग लग रही है। अब प्रदेश में 'खटारा बस परियोजना' के बाद 'खटारा युवा नीति' और 'खटारा सरकार' की पहचान बन गई है। जब भी 'खटारा सरकार' की बात हो, तो जनता के सामने उस जलती हुई बस का दृश्य आना चाहिए।

पटवारी ने कहा कि सरकार ने अगले वर्ष को 'युवा वर्ष' मनाने की घोषणा की है और भारी बजट के साथ यूथ कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बॉलीवुड गायक जुबिन नौटियाल को 17 लाख रुपये देकर बुलाया गया लेकिन कार्यक्रम में युवाओं के लिए व्यवस्थाएं तक ठीक नहीं थीं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा वहां पहुंचे युवाओं और बेटियों के साथ जिस तरह की बदसलूकी की गई, वह बेहद शर्मनाक है। युवाओं के बाल खींचकर उन्हें बाहर निकाला गया और इसकी तस्वीरें सामने आई है।

पटना में 'संकल्प सभा': सीएम सम्राट बोले- 'विकसित भारत' के लिए समृद्ध बिहार जरूरी

विश्व केसरी■



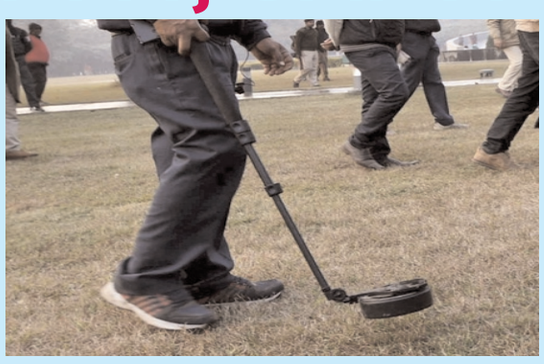
पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से बुधवार को पटना में 'विकसित भारत संकल्प सभा' एवं 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के वर्चुअल संबोधन को बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने सुना। सभा के बाद 'सेवा ज्योति यात्रा' निकाली गई।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में विशेष महत्व रखता है। आज से 25 वर्ष पहले इसी दिन नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम किया और इसके बाद प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं।

सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा और जनसंघ की विचारधारा ने हमेशा राष्ट्रहित और लोकतंत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आपातकाल के दौरान जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने संगठन का विलय तक किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा भाव के साथ राष्ट्र निर्माण का काम आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विपक्षी इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ ऐसे नेतृत्व के साथ लोग काम कर रहे हैं, जिनके मन, दिल और कार्य में सेवा है, जबकि दूसरी तरफ विपक्ष के नेताओं के लिए 'मेवा' महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत और समृद्ध बिहार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना होगा।

अहमदाबाद के 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, छात्रों को भेजा गया घर

विश्व केसरी■



अहमदाबाद। अहमदाबाद में बुधवार को कम से कम 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद छात्रों को जल्दी घर भेज दिया गया। इसके बाद पुलिस, फायर विभाग और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल टीम को स्कूल कैंपस में तैनात किया गया।

ज्यादातर स्कूल, जिन्हें धमकी मिली है, वे शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित हैं। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रशासन ने अधिकारियों को अलर्ट किया, जिसके बाद सुरक्षा टीमों को अलग-अलग जगहों पर जांच के लिए भेजा गया।

प्रभावित स्कूलों में वेजलपुर इलाके का जाइडस स्कूल भी शामिल है। धमकी मिलने के बाद स्कूल ने छात्रों को तय समय से पहले ही छुट्टी दे दी, जबकि एहतियात के तौर पर पुलिस और फायर विभाग की गाड़ियों को कैंपस में भेजा गया।

स्कूलों ने छात्रों को जल्दी घर भेजने की जानकारी पेरेंट्स को भी देना शुरू कर दिया। अधिकारी कैंपस में सुरक्षा जांच कर रहे हैं, जबकि धमकियों की प्रकृति और स्रोत के बारे में ज्यादा जानकारी का इंतजार है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी से जुड़े अन्य स्कूलों में बोडकदेव स्कूल फॉर चिल्ड्रन, एसजीवीपी स्कूल, ड्राइव-इन रोड पर संत कबीर स्कूल और एशिया स्कूल शामिल हैं। स्कूलों की सही संख्या का अभी आकलन किया जा रहा है, क्योंकि अधिकारी अलर्ट पर कार्रवाई जारी रखे हुए हैं।

अहमदाबाद में पिछले कुछ महीनों में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। सितंबर में शहर के 10 स्कूलों के अलावा तीन कोर्ट और गुजरात विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल भेजे गए थे। सुरक्षा जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी और बाद में इन धमकियों को अफवाह बताया गया था।

आईएसआरएल सीजन 3 के लिए 21 देशों के 146 राइडर्स ने कराया रजिस्ट्रेशन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के तीसरे सीजन के लिए 21 देशों के 146 राइडर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें भारत के बेहतरीन सुपरक्रॉस टैलेंट के साथ-साथ कई बड़े इंटरनेशनल राइडर्स भी मुकाबला करेंगे।

इस फ्रेंचाइजी-बेस्ड सुपरक्रॉस लीग में चार कैटेगरी के राइडर्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें नई शुरू की गई '250सीसी इंडियन फ्यूचर्स' कैटेगरी भी शामिल है, जिसका मकसद घरेलू राइडर्स को आगे बढ़ने का एक खास मौका देना है।

भारत से नई शुरू की गई '250सीसी - ग्रुप 'ए' फॉरेन बाइक्स ओनली - इंडियन फ्यूचर्स' कैटेगरी और '250सीसी इंडिया एशिया मिक्स' कैटेगरी के लिए कुल 30 रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

इंटरनेशनल हिस्सेदारी में फ्रांस सबसे आगे है, जिसके 32 में 40 राइडर्स, '250सीसी इंटरनेशनल' कैटेगरी में 54 राइडर्स और '250सीसी इंडिया एशिया मिक्स' कैटेगरी में 26 राइडर्स शामिल हैं।

'450सीसी इंटरनेशनल' कैटेगरी में कई जाने-माने नाम शामिल हैं, जैसे सीजन 2 के चैंपियन मैट मॉस, जॉर्डी टिक्सियर, जॉन शॉर्ट, एंथनी बॉर्डन, ग्रेगरी अरंडा, रयान ब्रीस, ल्यूक क्लाउट और एंथनी रोड्रिग्ज।

'250सीसी इंटरनेशनल' कैटेगरी में रीड टेलर, केल्विन फॉनविएल, जस्टिन रॉडबेल और निको कोच हिस्सा लेंगे, जबकि 'इंडिया एशिया मिक्स' कैटेगरी में विसारुत सलांगम, थनारत पेनजान, एथिसन रुआड्रेओ, नाकामी विडी मकारिम, बेन हॉलग्रेन और मुहम्मद अथर अलघिफारी शामिल हैं।

भारत की चुनौती पेश करने वाले राइडर्स में रुग्वेद बरगुजे, प्रज्वल विश्वनाथ, श्लोक घोरपड़े और इक्षन शानभाग जैसे बेहतरीन राइडर्स शामिल हैं।

सीजन 2 में आईएसआरएल चैंपियनशिप जीतने वाले मॉस ने कहा कि वह एक और टाइटल के लिए मुकाबला करने को लेकर उत्साहित हैं।

रजिस्ट्रेशन अब बंद हो चुके हैं, और लीग अब राइडर ऑक्शन की ओर बढ़ेगी, जहां फ्रेंचाइजी रजिस्टर्ड कॉम्पिटिटर्स के फाइनल पूल से अपनी टीमें चुनेंगी। ऑक्शन से सीजन 3 के लिए टीमों का गठन तय होगा, क्योंकि ओपनिंग राउंड की तैयारियां तेजी से चल रही हैं।



चाइना ओपनः जोविच को 6-1, 6-3 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं स्वियातेक



विश्व केसरी ■

बीजिंग। इगा स्वियातेक ने बुधवार को अमेरिकी टीनएजर इवा जोविच के खिलाफ 6-1, 6-3 से जीत दर्ज करते हुए 'चाइना ओपन' के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को जीत हासिल करने में सिर्फ 1 घंटा 36 मिनट लगे। दूसरे सेट में जोविच ने वापसी की थोड़ी-बहुत कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद जोविच ने मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा।

पोलिश स्टार ने लगभग तुरंत ही अपना दबदबा बना लिया और शुरुआती पांच गेम तेजी से जीत लिए। जोविच ने छठे गेम में दो सेट प्वाइंट्स बचाकर आखिरकार अपना खाता खोला, लेकिन स्वियातेक शांत रहीं और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर सेट जीत लिया।

वर्ल्ड नंबर-13 जोविच ने दूसरे सेट की शुरुआत में ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया। स्वियातेक ने शुरुआती गेम में सर्विस तोड़ी और 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन टीनएजर ने अपने ग्राउंडस्ट्रोक में बेहतर गहराई हासिल करना शुरू किया और जल्द ही बराबरी कर ली।

अगले गेम में दो ब्रेक प्वाइंट्स बचाकर 3-2 की बढ़त बनाने के बाद मोमेंटम कुछ समय के लिए जोविच की ओर झुक गया। हालांकि, स्वियातेक ने अहम मोड़ पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस लगातार दो बार तोड़कर मैच को अपनी पकड़ में कर लिया।

इस नतीजे के साथ जोविच की लगातार छह मैचों की जीत का सिलसिला थम गया। अमेरिकी खिलाड़ी पिछले महीने ग्वाडलाजारा का खिताब जीतने के बाद काफी अच्छे मोमेंटम के साथ बीजिंग पहुंची थीं।

स्वियातेक के लिए, यह जीत सीजन के प्रमुख हार्ड-कोर्ट इवेंट में उनकी आगे की राह को बढ़ाती है और अंतिम आठ में एक और बड़ी चुनौती पेश करती है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 का अगला मुकाबला तीसरी सीड कोको गॉफ या 13वीं सीड एलिस मर्टेंस से होगा। स्वियातेक का दोनों संभावित प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड बेहतर रहा है; गॉफ के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 11-5 और मर्टेंस के खिलाफ 2-0 का है।

हालांकि, गॉफ के साथ संभावित मुकाबले में एक अतिरिक्त कहानी भी जुड़ी होगी। हालांकि स्वियातेक ने पिछले 16 मुकाबलों में से 11 जीते हैं, लेकिन गॉफ ने अपनी पिछली चार भिड़ंतों में जीत हासिल की है, और वे सभी सीधे सेटों में जीती हैं। जोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद, स्वियातेक अब बीजिंग में अपने अभियान को आगे बढ़ाते हुए गॉफ और मर्टेंस के बीच होने वाले मैच के विजेता का इंतजार कर रही हैं।

जापान से लौटने के बाद सबसे ज्यादा मां के हाथ का बना चूरमा और खीर खाई हैः सुजीत कलकल



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीता। 65 किग्रा फ्रीस्टाइल के एशियन चैंपियन ने कहा है कि जापान से लौटने के बाद, उन्होंने सबसे ज्यादा मां के हाथ का बना चूरमा और खीर खाई है।

सुजीत कलकल ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आईएएनएस के एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं ट्रेनिंग और कॉम्पिटिशन की वजह से घर से दूर रहता हूं, ऐसे में मां के हाथ का चूरमा बहुत याद आता है। एशियन गेम्स के बाद जैसे ही मैं लौटा, मेरी मां ने चूरमा और खीर भेजी। मैं घर से दूर सोनीपत में ट्रेनिंग करता हूं, इसलिए मेरी मां मेरे लिए ये चीजें भेजती रहती हैं। जापान से लौटने के बाद, मैंने सबसे ज्यादा चूरमा और खीर खाई है।

सुजीत 2026 सीजन में अब तक अजेय रहे हैं। उन्होंने 2025 अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप और 2026 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप 65 किग्रा कैटेगरी में जीती थीं। उन्होंने फरवरी में अल्बानिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज में भी गोल्ड मेडल जीता।

उनकी सफलता कुछ मुश्किलों के बाद मिली। 2023 में, उन्हें 2023 एशियन गेम्स में जगह के लिए फेयर ट्रायल पाने के लिए हाई कोर्ट का कानूनी रास्ता अपनाना पड़ा।

इंग्लैंड ने चेकिया को 3-0 से हराया, हैरी केन ने दागे दो गोल

विश्व केसरी ■

लंदन। इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने अपने करियर के 125वें अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल दागकर एक खास रिकॉर्ड की बराबरी की। उनकी शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने चेकिया को हराया और अगले साल गर्मियों में होने वाले यूईएफए नेशंस लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया। केन के दो गोल ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

केन ने सिर्फ 11 साल और 193 दिनों में इंग्लैंड के लिए 125 मैच खेलने का मुकाम हासिल किया। यह शिलटन (19 साल, 224 दिन) की तुलना में 8 साल और 31 दिन कम समय है। केन ने इस मुकाबले में दो गोल किए, जो उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के 90वें और 91वें गोल रहे। वहीं, चेकिया के खिलाड़ी व्लादिमीर कौफल ने दबाव में आकर गेंद अपने ही गोल में डाल दी। इसके चलते वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड ने 3-0 से आसान जीत दर्ज की।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने वेम्बली स्टेडियम में एक और शानदार उपलब्धि अपने नाम की। 33 साल और 70 दिन की उम्र में दो गोल करके वह इंग्लैंड के लिए वेम्बली में एक मैच में दो गोल



करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इस मामले में उनसे आगे केवल इयान राइट हैं, जिन्होंने सितंबर 1997 में 33 साल और 311 दिन की उम्र में मोल्दोवा के खिलाफ दो गोल किए थे। इसके अलावा, केन ने एक और रिकॉर्ड बनाया। वह लगातार दो मैचों में दो-दो गोल (ब्रेस) करने वाले इंग्लैंड के इतिहास के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

वहीं, 2026 में केन के 13 गोल अब किसी भी इंग्लैंड खिलाड़ी द्वारा एक साल में किए गए दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं। इससे पहले, केन ने ही साल 2021 में कुल 16 गोल किए थे। चेकिया के गोलकीपर लुकास हॉर्निचेक ने ट्रेंट अलेक्जेंडर-आर्नोल्ड की फ्री-किक को तो रोक लिया, लेकिन इसके बाद हैरी केन के बनाए दबाव और क्रॉस की वजह से डिफेंडर व्लादिमीर कौफल से गलती हो गई और गेंद उनके ही गोल में चली गई। इससे इंग्लैंड को शुरुआती बढ़त मिल गई।

इसके बाद हाफ-टाइम से पहले केन ने मॉर्गन रोजर्स के क्रॉस पर शानदार गोल दागकर इंग्लैंड की बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हाफ में भी वह लगातार खतरा बने रहे और उनका एक शॉट क्रॉसबार से टकराया।

आर्कटिक ओपनः पीवी सिंधु की जीत के साथ वापसी, भारतीय टीम को लगे कई झटके



विश्व केसरी ■

वांता। पीवी सिंधु ने कनाडा की वेन यू झांग पर सीधे गेमों में जीत के साथ आर्कटिक ओपन 2026 अभियान की शुरुआत की, लेकिन महिला एकल में भारतीय टीम को फिनलैंड के वांटा में बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में कई झटके लगे।

छठी वरीयता प्राप्त सिंधु को कनाडा की वेन यू झांग को 21-8, 21-11 से हराने और दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की करने में सिर्फ 28 मिनट लगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट, जो एशियन गेम्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं, अब जापान की रीको गुंजी से भिड़ेंगी।

सिंधु झांग के खिलाफ शुरू से ही नियंत्रण में थीं। भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआती गेम में जल्दी ही अच्छी-खासी बढ़त बना ली और अपनी कनाडाई विरोधी को मुकाबले में कभी जमने नहीं दिया। सिंधु बिना परेशानी के आगे बढ़ गईं, लेकिन उनके कई हमवतन खिलाड़ियों के साथ ऐसा नहीं हुआ।

उन्नति हुड्डा चीन की हान कियानक्सी के खिलाफ वापसी करने से दो पॉइंट दूर थीं। पहला गेम 21-16 से हारने के बाद, हुड्डा ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-15 से जीत लिया। निर्णायक गेम आखिर तक चला, लेकिन हान ने 68 मिनट के बाद 24-22 से जीत हासिल करने के लिए हिम्मत दिखाई।

विरासत में मिला कुश्ती का खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दो बार दिलाया ब्रॉन्ज मेडल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिव्या काकरान की गिनती भारत की दमदार महिला पहलवानों में की जाती है। उन्होंने एशियन गेम्स 2018 और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता।

दिव्या का जन्म 8 अक्टूबर, 1998 को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हुआ। दिव्या को कुश्ती का खेल विरासत में मिला और उनके पिता और बड़े भाई खुद पहलवान थे। हालांकि, घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पिता और भाई को पहलवानी छोड़नी पड़ी थी। मगर वह दिव्या को एक सफल महिला पहलवान बनाना चाहते थे। यही वजह रही कि उनके भाई देव काकरान ने अपना कुश्ती करियर छोड़कर बहन को इस खेल में आगे बढ़ाने का फैसला किया।

दिव्या भी अपने पिता और भाई की उम्मीदों पर एकदम खरी उतरीं।



साल 2017 में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में दिव्या 69 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहीं। इसके बाद कॉमनवेल्थ कुश्ती चैंपियनशिप में भी दिव्या ने कमाल दिखाया और यहां वह सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहीं। इसके ठीक एक साल बाद यानी 2018 में हुए एशियन गेम्स में दिव्या ने दमदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसी साल दिव्या कॉमनवेल्थ गेम्स में भी अपना जलवा बिखेरने में कामयाब रहीं और उन्होंने देश की झोली में ब्रॉन्ज मेडल डाला।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी दिव्या ने 68 किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने आठ बार भारत केसरी का खिताब भी अपने नाम किया। कुश्ती के खेल में अहम योगदान देने के लिए उन्हें साल 2020 में सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हालांकि, दिव्या का विवादों से भी नाता रहा।

साल 2023 में विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कुछ भारतीय महिला पहलवानों ने उस समय भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद को संभाल रहे बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाया था और जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया था। इस मामले में दिव्या बृजभूषण सिंह का समर्थन करती नजर आई थीं और उन्होंने महिला पहलवानों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताया था। साल 2025 में दिव्या ने अपने पति सचिन प्रताप सिंह से तलाक भी लिया था। दोनों ने अपने ढाई साल के रिश्ते को खत्म करने का फैसला किया था।

नेशंस लीग : स्पेन ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, क्रोएशिया को 2-1 से दी शिकस्त

विश्व केसरी ■

स्प्लिट (क्रोएशिया)। वर्ल्ड चैंपियन स्पेन ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रोएशिया को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ स्पेन का लगातार 42 मैचों तक बिना हारे रहने का सिलसिला जारी रहा और उसने अपने चारों ग्रुप मैचों में जीत हासिल कर यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

मेरिनो ने गोल दागे जबकि गोलकीपर उनाई सिमोन ने स्पेन के लिए कई शानदार बचाव किए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत स्पेन मैच में बना रहा और मुकाबले में अपनी चुनौती कायम रखी। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को इंग्लैंड से मिली 7-0 की शर्मनाक हार पर प्रतिक्रिया देते हुए क्रोएशिया के कोच स्लावेन बिलिच ने कहा था कि उन्हें 'पुरुषों वाला खेल' चाहिए और उन्हें पहले हाफ में वैसा ही शारीरिक खेल देखने को मिला जैसा वे चाहते थे। हालांकि लामिन यमल, पेड्री और



रोड्री जैसे स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरी स्पेन की टीम ने मैच की शुरुआत में गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा, लेकिन इसके बावजूद टीम पूरी तरह सहज नहीं दिखी और उसे लगातार संघर्ष करना पड़ा।

साइमन ने एक शानदार बचाव करते हुए जोसिप स्टैनिसिक को गोल करने से रोका और बाद में काउंटर-अटैक के बाद इगोर मटानोविच के प्रयास को भी नाकाम किया, लेकिन इवान पेरिसिच ने रिबाउंड पर क्रोएशिया के लिए 20वें मिनट में गोल कर दिया। साइमन ने इसके कुछ ही देर बाद मटानोविच के एक और करीबी शॉट को रोका और फिर जोस्को ग्वार्डियोल के प्रयास को नाकाम करने के लिए तेजी से नीचे झुके। मिकेल ओयारजाबल ने पहले हाफ में स्पेन के सबसे अच्छे मौके को बेकार कर दिया।

एयरटेल ने नए प्लान के साथ पोस्टपेड सर्विसेज को 10 प्रतिशत तक किया महंगा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने बुधवार को नए पोस्टपेड प्लान के साथ टैरिफ को करीब 3-10 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। साथ ही, इनमें फ्री इंटरनेशनल रोमिंग बेनिफिट को जोड़ा गया है।

यह नए टैरिफ गुरुवार से लागू होंगे।

हालांकि, टेलीकॉम कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कॉम्प्लिमेंट्री इंटरनेशनल रोमिंग पैक में 5जीबी डेटा, 60 मिनट की कॉल, 25 आउटगोइंग एसएमएस और फ्री इनकमिंग एसएमएस की सुविधा मिलती है, और ये सभी 5 दिनों के लिए वैध हैं।

नए प्लान्स की रेंज व्यक्तिगत कनेक्शन के लिए 499 रुपए प्रति महीने से लेकर पांच सिम तक वाले फैमिली प्लान के लिए 1,799 रुपए तक है।

इसके अलावा, नए प्लान के तहत ग्राहकों को हर साल हर सिम पर एक फ्री इंटरनेशनल रोमिंग ट्रिप के साथ-साथ अनलिमिटेड डेटा और कॉलिंग भी मिलेगी।

भारती एयरटेल के मार्केट ऑपरेशन्स के डायरेक्टर, अमित त्रिपाठी ने कहा कि हमारे लिए पोस्टपेड का मतलब है भारतीय बाजार में सबसे बेहतरीन अनुभव देना।

त्रिपाठी के अनुसार, 'देश में हमारा नेटवर्क अनुभव सबसे अच्छा है, जिसके जरिए हम अपने पोस्टपेड ग्राहकों को 5जी पर 'फास्ट लेन' टेक्नोलॉजी और लगातार स्पैम व फ्रॉड से सुरक्षा देते हैं।

साथ ही, हम ग्राहकों को सबसे अच्छी वैल्यू ऐसे एंटरटेनमेंट और सर्विसेज के जरिए देते हैं जो उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाते हैं और अब उनके लिए फ्री इंटरनेशनल रोमिंग भी शुरू की है। हम ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने और उन्हें एयरटेल पोस्टपेड चुनने के लिए ज्यादा से ज्यादा वजहें देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

कंपनी ने व्यक्तिगत प्लान की कीमत 449 रुपए से बढ़ाकर 499 रुपए कर दी है। 749 रुपए वाले फैमिली प्लान में (पहले 699 रुपए का था) दो सिम मिलेंगी।

इसके अलावा, तीन सिम वाले 999 रुपए के प्लान की कीमत अब 1,049 रुपए होगी।

इसी तरह, 4 सिम के लिए अब कीमतें 1,249 रुपए और 1,449 रुपए हैं।

पांच सिम के लिए कंपनी अब 1,799 रुपए चार्ज करेगी, इसमें नेटफ्लिक्स स्टैंडर्ड शामिल है। साथ ही, इन प्लान में एयरटेल के स्पैम और फ्रॉड से बचाने वाले फीचर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि गुरुवार से ये पोस्टपेड प्लान उन सभी ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं जो एयरटेल पोस्टपेड चुनते हैं।

वहीं, एयरटेल के मौजूदा ग्राहक - चाहे वे पुराने पोस्टपेड प्लान पर हों या प्रीपेड पर - आसानी से इन प्लान में अपग्रेड कर सकते हैं।

आरबीआई की रेपो रेट बढ़ोतरी से महंगे हो सकते हैं होम लोन, ईएमआई का बढ़ेगा बोझ



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बाद फ्लोटिंग ब्याज दर पर होम लोन लेने वाले ग्राहकों की कर्ज लागत बढ़ सकती है। केंद्रीय बैंक ने बुधवार को रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है।

फ्लोटिंग रेट वाले होम लोन आमतौर पर रेपो रेट और अन्य बाजार आधारित बेंचमार्क से जुड़े होते हैं। यही वजह है कि आरबीआई द्वारा नीतिगत दरों में बदलाव का सीधा असर ऐसे कर्जों पर पड़ता है। भारत में अधिकांश खुदरा होम लोन ग्राहक फ्लोटिंग रेट विकल्प को चुनते हैं क्योंकि यह आमतौर पर फिक्स्ड रेट लोन की तुलना में 1 से 2.5 प्रतिशत तक सस्ता होता है।

वहीं, जब आरबीआई रेपो रेट बढ़ाता है, तो बैंक आमतौर पर ऋण दरों में भी बढ़ोतरी करते हैं और बढ़ी हुई लागत को ग्राहकों पर डाल देते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप मौजूदा उधारकर्ताओं के लिए समान मासिक किस्तों (ईएमआई) में वृद्धि या चुकौती अवधि में वृद्धि हो सकती है।

यदि कोई ग्राहक अभी 8 प्रतिशत ब्याज दर पर होम लोन चुका रहा है, तो पूर्ण प्रभाव पास होने की स्थिति में उसकी ब्याज दर बढ़कर लगभग 8.25 प्रतिशत हो सकती है।

ऐसी स्थिति में बैंकों के पास आम तौर पर दो विकल्प होते हैं। वे या तो ग्राहक की मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ा सकते हैं या फिर ईएमआई को समान रखते हुए ऋण अवधि (टेन्योर) बढ़ा सकते हैं। अंतिम प्रभाव बैंक की नीति और ग्राहक के लोन समझौते पर निर्भर करेगा।

विशेषज्ञों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपने बैंक की आधिकारिक वेबसाइट या बैंक से प्राप्त सूचनाओं पर नजर रखें, क्योंकि अलग-अलग बैंक दरों में संशोधन और उसके प्रभाव को अलग तरीके से लागू कर सकते हैं।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कच्चे तेल की कीमतें, खाद्य महंगाई और वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताएं अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रही हैं।

आरबीआई ने इस बैठक में सिर्फ रेपो रेट बढ़ाने का फैसला ही नहीं किया, बल्कि अपनी मौद्रिक नीति का रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' यानी 'संतुलित सख्ती' भी कर दिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट कहा है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना नहीं है। आगे की नीतिगत कार्रवाई परिस्थितियों के अनुसार या तो दरों में और बढ़ोतरी या फिर यथास्थिति के रूप में हो सकती है।

गोक्षुरा और चंद्रशूरा के सुरक्षित इस्तेमाल पर जोर, आयुष मंत्रालय ने किया एक्सपर्ट कमेटी का गठन

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में औषधीय पौधों का महत्व सदियों से रहा है। आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी जैसी प्रणालियों में इन पौधों का इस्तेमाल स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए किया जाता है। ऐसे ही दो महत्वपूर्ण पौधे हैं गोक्षुरा और चंद्रशूरा।

चंद्रशूरा को लेपिडियम सैटिवम के नाम से जाना जाता है। ये अपने पोषण और सेहत से भरपूर गुणों के लिए प्रसिद्ध है। आयुर्वेद में इसे पाचन सुधारने, शरीर को बल देने और समग्र ऊर्जा बढ़ाने वाली औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह एक सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाला पौष्टिक पौधा है।

दूसरी ओर गोक्षुरा, जिसे ट्रिबुलस टेरेस्ट्रिस भी कहा जाता है, पारंपरिक चिकित्सा में एक खास स्थान रखता है। इसके इस्तेमाल का इतिहास बहुत पुराना है और पिछले कुछ वर्षों में दुनियाभर में इसके प्रति लोगों की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। इसी वजह से वैज्ञानिक और शोध समुदाय भी अब इसके पारंपरिक उपयोगों को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर समझने की कोशिश कर रहा है।

आज जब दुनियाभर में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का चलन बढ़ रहा है, तो इनकी गुणवत्ता, प्रभाव और सुरक्षा से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं। उपभोक्ताओं के भरोसे और सुरक्षित इस्तेमाल के लिए जरूरी है कि इन पौधों पर ठोस वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध हों। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए आयुष मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है।

मंत्रालय ने गोक्षुरा और चंद्रशूरा जैसे दो महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की सुरक्षा प्रोफाइल पर अब ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। इनसे जुड़ी नई रेगुलेटरी चिंताओं को देखते हुए आयुष मंत्रालय ने एक अहम कदम उठाया है।

मत्स्यासनः एक योग जो तनाव, थायराइड और पाचन को सुधारने में होता है असरदार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। व्यस्त दिनचर्या में काम का बढ़ता दबाव, घंटों कुर्सी पर बैठने की आदत और खराब शारीरिक मुद्रा रीढ़ की हड्डी और श्वास तंत्र पर बुरा असर डालते हैं। ऐसे ही हठयोग का 'मत्स्यासन' एक प्रभावी समाधान के रूप में काम करता है। यह आसन छाती को खोलकर फेफड़ों की ऑक्सीजन ग्रहण क्षमता को बढ़ाता है और गर्दन तथा कंधों की मांसपेशियों के तनाव को दूर करता है।



'मत्स्य' का अर्थ है- 'मछली'। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा मछली जैसा बनती है। इसलिए, इसे मत्स्यासन कहा जाता है। यह आसन छाती को चौड़ाकर उसे स्वस्थ बनाए रखने में सक्षम है। प्लाविनी प्राणायाम के साथ इस आसन की स्थिति में लंबे समय तक पानी में तैर सकते हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, मत्स्यासन (फिश पोज) एक महत्वपूर्ण योग मुद्रा है, जो श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने और तनाव कम करने में बेहद असरदार है। थायराइड ग्रंथि को सक्रिय करने और पाचन तंत्र को सुदृढ़ बनाने के कारण इसे शारीरिक पुनरुद्धार के लिए सर्वश्रेष्ठ आसनों में गिना जाता है।

इस आसन को करने से पेट की मांसपेशियां और पाचन तंत्र में बेहतर सुधार होता है, जिससे कब्ज से राहत मिलती है। फेफड़े खुलते हैं, जिससे सांस लेने में आसानी होती है और सांस संबंधित समस्याएं ज्यादा परेशान नहीं करती। इसके अलावा, यह आसन पीठ की ऊपरी मांसपेशियों को भी आराम देता है और रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है। जो लोग पीठ दर्द से परेशान हैं, उनके लिए यह आसन वरदान की तरह है।

मत्स्यासन न सिर्फ शारीरिक सेहत के लिए बल्कि मानसिक शांति के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। जब आप इस आसन को करते हैं, तो गहरी सांस लेते हुए एक खास मुद्रा में लेटना होता है, जिससे मन को शांति मिलती है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist
Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home



Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

हर कमेंट को दिल पर लेने की जरूरत नहीं, खुद को आपसे बेहतर कोई नहीं जानता- अद्रिजा रॉय

विश्व केसरी ■



मुंबई। 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रहीं टीवी एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय ने वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे से पहले मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें, जरूरत पड़ने पर ब्रेक लें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें।

मीडिया से बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, ''लोग अक्सर अपनी परेशानियों को छिपाकर सबके सामने सामान्य दिखने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वह किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, तो लोग उन्हें जज करेंगे या गलत समझेंगे। ऐसा सोचने के बजाय अपनी भावनाओं को स्वीकार करना चाहिए। कई बार बेहतर महसूस करने की शुरुआत यहीं से होती है।

कहा, ''हर बात को दिल पर लेना सही नहीं है। हर व्यक्ति की आपके बारे में अपनी राय हो सकती है, लेकिन खुद को आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। मैं कोशिश करती हूं कि अपना ध्यान उन लोगों और चीजों पर रखूं, जो सच में मेरे लिए मायने रखते हैं और बाहरी लोगों की हर राय को अपनी मानसिक शांति पर हावी न होने दूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''जब इंसान शारीरिक और मानसिक रूप से इतना थक जाए कि हर काम बोझ या जिम्मेदारी जैसा लगने लगे, तब रुककर खुद को समय देना जरूरी है। कुछ समय के लिए ब्रेक लेना आलस नहीं है। कई बार खुद को थोड़ा धीमा करना जरूरी होता है, ताकि इंसान दोबारा पूरी ताकत के साथ वापस आ सके। मेरा मानना है कि लगातार काम करते रहने को ही मजबूती समझना सही नहीं है। शरीर और दिमाग दोनों को आराम की जरूरत होती है।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''दूसरों की उम्मीदों का बोझ इस कीमत पर मत उठाओ कि वह आपकी मानसिक शांति पर ही असर डाल दें। मैं हमेशा खुद को याद दिलाती हूं कि हर किसी को हर समय खुश रखना संभव नहीं है। मैंने धीरे-धीरे अपनी सीमाएं तय करना और जरूरत पड़ने पर 'नहीं' कहना सीखा है। शुरुआत में यह आसान नहीं था, लेकिन समय के साथ मुझे समझ आया कि अपनी शांति को बचाना स्वार्थी होना नहीं है।''

उन्होंने आगे कहा, ''जिंदगी का हर दौर गुजर जाता है। हो सकता है कि किसी परेशानी के दौरान हमारे पास सभी सवालों के जवाब तुरंत न हों, लेकिन ऐसे समय में खुद पर भरोसा रखना और खुद को समय देना जरूरी है। हर मुश्किल हमेशा के लिए नहीं रहती और वक्त के साथ चीजें बदलती हैं।

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी
Diwali Special Offer
पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बैटरी स्प्रेयर, स्प्रेयर
निर्माण कार्य | कृषि कार्य | ग्रामीण क्षेत्र | उद्योग एवं प्रोसेसिंग | सिंचाई एवं बागवानी | किसानों हेतु उपयुक्त
निर्माता व विक्रेता :
वीनस मशीनरी
चित्रकांत बघेल (डायरेक्टर)
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजु में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक
एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी
सस्ते दामों में उपलब्ध
पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये
बजाज फाईनेंस की सुविधा उपलब्ध
गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाऐं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure
Noorjaha Prime
DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN
City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993
: H.O. :
• Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994
: OUTLETS :
• Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राज्य में सूखे की गंभीर स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में पड़ रहे सूखे की जानकारी देते हुए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे राहत और बचाव कार्यों से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्र सरकार को राज्य की ओर से एक ज्ञापन भी सौंपा और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत महाराष्ट्र को अधिकतम वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र की 265 से अधिक तहसीलों में सूखा घोषित किया गया है। राज्य सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के किसानों और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाएं और उपाय लागू किए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र सरकार की सहायता बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। अमित शाह ने यह भी जानकारी दी कि केंद्र सरकार की एक टीम 8 से 11 अक्टूबर के बीच महाराष्ट्र का दौरा करेगी और सूखा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेगी।

फडणवीस ने कहा कि अमित शाह ने भरोसा दिलाया है कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में महाराष्ट्र के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। मुख्यमंत्री ने इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

इस संबंध में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार से राज्य के लिए अधिकतम सहायता की मांग की गई है और उन्हें सकारात्मक आश्वासन मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयासों से सूखा प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाई जाएगी।

महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में किसान सूखे से परेशान हैं और सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे हैं। खुद मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। एनसीपी (एसपी) चीफ शरद पवार भी इस मामले पर किसानों से मुलाकात कर चुके हैं और सरकार से राहत की मांग कर चुके हैं। इस बीच अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी गृह मंत्री से मुलाकात की।

राघव चड्ढा ने पीएम मोदी के 'हम यह करेंगे' नारे की तारीफ की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए नारे और आह्वान, 'हम यह करेंगे', की तारीफ की। यह नारा देश में विकास की नई संभावनाओं को खोलने और 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में एक अहम कदम है।

हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राघव चड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'हम करके रहेंगे' का संकल्प उनकी 25 साल की 'सेवा' के कमिटमेंट और जोश को दिखाता है। साथ ही, यह भी बताता है कि उनका विजन आज भी उतना ही मजबूत और पक्का है, जितना 25 साल पहले था।

बुधवार को राजधानी के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 'विकसित भारत संकल्प सभा' ??को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने देश के लिए पांच बड़े लक्ष्य तय किए। उन्होंने 'हम करके रहेंगे' नारे के साथ लोगों में नई ऊर्जा भरी, जिसे दर्शकों ने भी जोरदार तरीके से दोहराया।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'अपनी यात्रा के इस पड़ाव पर मैं हर वॉलंटियर और हर साथी कार्यकर्ता को सम्मानपूर्वक सलाम करता हूं। आज का दिन सिर्फ यादों का दिन नहीं है। यह हमारे संकल्प में नई ऊर्जा भरने का दिन है। यह उस वादे को दोहराने और उस इरादे को जाहिर करने का दिन है, जो कहता है कि 'हम करके रहेंगे। हम करके रहेंगे'।'

राज्यसभा सांसद चड्ढा ने 25 साल के इस पड़ाव पर प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि पीएम मोदी अब विकास के अगले चरण की बात कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'भारत को दुनिया की टॉप तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाना। एक ज्यादा आत्मनिर्भर भारत बनाना। ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग बेस तैयार करना। सेमीकंडक्टर, एआई, स्पेस और नई टेक्नोलॉजी में निवेश करना। एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करना। युवाओं के लिए ज्यादा मौके बनाना। और आखिरकार 2047 तक विकसित भारत की नींव रखना। आज उन्होंने उस संकल्प को तीन आसान शब्दों में समेटा- 'हम करके रहेंगे'।'

राघव चड्ढा ने यह भी कहा कि राज्य के प्रमुख के तौर पर प्रधानमंत्री के लगातार 25 सालों ने हर पड़ाव पर जनता का भरोसा फिर से जीता है। इन सालों में जिम्मेदारी का दायरा भी बहुत बढ़ा है, फिर भी उनके कामकाज के तरीके में एक निरंतरता रही है।

उन्होंने कहा, 'पहला जनादेश उम्मीद और अपेक्षा से मिल सकता है, लेकिन जब लोग कई सालों तक उस जनादेश को बार-बार देते हैं।

दिल्ली में बहुमंजिला इमारत ढही, कई लोगो के दबे होने की आशंका

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। बुधवार को उत्तरी दिल्ली के सीमापुरी इलाके में एक बहुमंजिला इमारत का एक हिस्सा गिर गया, जिससे कई लोगों के मलबे के नीचे दबने की आशंका है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा ने घटनास्थल पर दो दमकल वाहन भेजे हैं। दिल्ली यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीमापुरी में एक बहुमंजिला इमारत गिर गई है और बचाव दल घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि सीमापुरी गोल चक्कर, डीएलएफ भोपुरा और आसपास की सड़कों पर यातायात प्रभावित है। पुलिस ने आगे कहा कि हर खाली लेन से एम्बुलेंस और बचाव वाहन को तेजी से आगे बढ़ने का रास्ता मिलता है। कृपया संभव हो तो इस क्षेत्र से बचें। घटनास्थल के पास न रुकें, न ही वाहन पार्क करें और न ही इकट्ठा हों, और यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करें।

यह घटना राष्ट्रीय राजधानी के सत्य निकेतन इलाके में एक महीने पहले एक बहुमंजिला इमारत के गिरने के बाद हुई है, जिसमें एक पेइंग गेस्ट आवास था और जिसमें पांच छात्रों सहित सात लोगों की जान चली गई थी।

इस त्रासदी के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के अधिकारियों को अनधिकृत निर्माणों पर अपने पहले के निर्देशों का अनुपालन करने के लिए उठाए गए कदमों पर हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की पीठ ने एमिकस क्यूरी अजीत कुमार सिन्हा के सुझाव को स्वीकार करते हुए अधिकारियों को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपने पूर्व आदेशों के अनुसार की गई कार्रवाई।

पीएम मोदी 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ देश के लिए कर रहे काम: रेखा गुप्ता

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को सरकार के प्रमुख के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के कार्यकाल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वे 'विकसित भारत' के सपने के साथ देश को आगे ले जाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'देश के 140 करोड़ लोगों के लिए यह बहुत गर्व का क्षण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा के 25 साल पूरे कर लिए हैं। इन 25 वर्षों के दौरान उन्होंने बिना रुके या एक दिन भी थके बिना लगातार देश की सेवा की है।'

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, 'विकसित भारत के सपने के साथ देश को आगे ले जाने के लिए लगातार काम करने पर हम सब ईश्वर का धन्यवाद करते हैं और उनके चरणों में प्रार्थना करते हैं कि पीएम मोदी का नेतृत्व हमेशा भारत के साथ इसी तरह बना रहे, भारत लगातार तरक्की करता रहे और देश में ज़्यादा खुशहाली आए।'

दिल्ली के कई मंत्रियों ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस खास उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मंत्री रवींद्र इंद्रज सिंह ने कहा, 'देश के 'प्रधान सेवक' के तौर पर प्रधानमंत्री ने 25 साल तक देश की सेवा की है। 140 करोड़ भारतीयों के भरोसे के साथ, उन्होंने 'विकसित भारत' की नींव रखी। 2047 तक भारत को 'विश्वगुरु' बनाने का लक्ष्य कई तरह से साकार हो रहा है और हकीकत में दिखाई दे रहा है।'

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'यह बहुत अहम मौका है। देश में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर कुल मिलाकर जनसेवा के 25 साल पूरे किए हैं। यह ऐतिहासिक है और मैं इस मौके पर देश की जनता और प्रधानमंत्री को बधाई देता हूं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर को सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे किए। यह उस राजनीतिक सफर का हिस्सा है।

94वां वायुसेना दिवस, वायुसेना प्रमुख एपी सिंह करेंगे परेड की समीक्षा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपना 94वां वायुसेना दिवस मनाने जा रही है। इस अवसर पर गाजियाबाद स्थित हिंडन वायुसेना स्टेशन में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी, वायु योद्धा और अन्य कर्मी शामिल होंगे। वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह वायुसेना दिवस समारोह के दौरान उपस्थित रहेंगे। वह यहां वायुसेना के जवानों द्वारा की जाने वाली भव्य परेड की समीक्षा करेंगे।

इस अवसर पर वायुसेना प्रमुख देश की रक्षा में जुटे वायु योद्धाओं को संबोधित भी करेंगे। वायुसेना दिवस भारतीय वायुसेना की स्थापना और उसके गौरवशाली सफर को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। हर वर्ष 8 अक्टूबर को मनाया जाने वाला वायुसेना दिवस, इंडियन एयरफोर्स के साहस, शौर्य, अनुशासन और देश की हवाई सुरक्षा में उसके योगदान को समर्पित होता है।

हिंडन में होने वाले समारोह के दौरान वायु योद्धा अपनी पेशेवर दक्षता और अनुशासन का प्रदर्शन करेंगे। परेड की समीक्षा के बाद वायुसेना प्रमुख का संबोधन वायु योद्धाओं को विशेष संदेश देगा। इस दौरान वायुसेना की उपलब्धियों, बदलती सुरक्षा चुनौतियों और भविष्य के लिए उसकी तैयारियों पर भी ध्यान केंद्रित रहने की उम्मीद है। पिछले वर्षों में वायुसेना दिवस समारोह के दौरान लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों की मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा है।

यादों में रामविलास पासवान: बिहार से दिल्ली तक दबदबा, छह सरकारों में रहे केंद्रीय मंत्री

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय राजनीति में कुछ ऐसे भी नेता हुए, जिनकी पहचान सिर्फ उनके चुनावी प्रदर्शन या मंत्री पदों से नहीं बनी, बल्कि बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच अपनी जगह बनाए रखने की क्षमता से बनी। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान उन्हीं नेताओं में से एक थे।

बिहार की राजनीति से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने वाले रामविलास पासवान को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने 'राजनीति का मौसम वैज्ञानिक' कहा था। वजह थी उनका राजनीतिक कौशल, केंद्र में सरकार किसी भी दल या गठबंधन की हो, पासवान उसमें जगह बना ही लेते थे।

8 अक्टूबर 2020 को दुनिया को अलविदा कह चुके रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर उनका राजनीतिक सफर एक बार फिर याद आता है। छह प्रधानमंत्रियों की सरकारों में केंद्रीय मंत्री के तौर पर काम करने वाले पासवान का जीवन बिहार की राजनीति, दलित राजनीति और केंद्र की सत्ता के बदलते समीकरणों से जुड़ा रहा। पासवान का जन्म 5 जुलाई 1946 को बिहार के खगड़िया में एक दलित परिवार में हुआ था। उन्होंने खगड़िया के कोसी कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। इसके बाद पटना यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया और कला में स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की।

राजनीति में आने से पहले उन्होंने बिहार पुलिस में डीएसपी के तौर पर भी काम किया। लेकिन जल्द ही उनका रास्ता राजनीति की ओर मुड़ गया। 1969 में वे संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य के तौर पर एक आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधानसभा के लिए चुने गए। यहीं से उनका वह राजनीतिक सफर शुरू हुआ, जिसने आने वाले दशकों में उन्हें बिहार से दिल्ली तक एक प्रमुख चेहरा बना दिया।

ब्लैक सी में 4 जहाजों पर हमले की भारत ने की निंदा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने एक बार ब्लैक सी (काला सागर) से गुजर रहे कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाए जाने पर सख्त आपत्ति जताई है। बुधवार को विदेश मंत्रालय (एमईए) की पाक्षिक प्रेस वार्ता में भारत ने अपनी फिक्र जाहिर की।

एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पिछले एकाध दिनों में हुए इन हमलों की भारत निंदा करता है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'भारत ने मंगलवार से बुधवार के बीच देखा कि चार वाणिज्यिक जहाजों पर हमले हुए। हम इसकी घोर निंदा करते हैं। वाणिज्यिकी नौ परिवहन और नाविक समुदाय को खतरे के दायरे में लाया जा रहा है।

जायसवाल ने आगे कहा, 'पहला जहाज एमवी रायोद मम्मदोव पर ब्लैक सी में हमला हुआ। जिसमें तीन भारतीय नागरिक थे। उसमें से एक भारतीय नागरिक को चोट पहुंची। उनका उपचार चल रहा है। रोमानिया स्थित दूतावास उनके सम्पर्क में है। अधिकारी उनके कल्याण और देखभाल का पूरा ख्याल रख रहे हैं।

एक ही दिन में दूसरे जहाज पर हुए अटैक का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया, 'दूसरा जहाज टोगो फ्लैग वाला अल्फावतन है। इस पर मंगलवार को हमला हुआ। हालांकि इस पर मौजूद क्रू को लेकर हमारे पास कोई जानकारी नहीं है। सरकार से हमारी बातचीत जारी है। वहीं तीसरा हमला एमबी केबल पर हुआ। पलाऊ देश के ध्वज वाले इस जहाज पर ड्रोन हमला हुआ, जिसके बाद बुल्गारियाई नौका ने इसके सभी 18 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया। 18 में से 7 भारतीय हैं, और इनमें से भी एक को चोट आई है जिसका इलाज चल रहा है। हमारा दूतावास उनके संपर्क में है। हम बुल्गारिया को इसके लिए धन्यवाद देते हैं।'

एमईए प्रवक्ता के अनुसार, चौथा शिप लाइबेरिया अफ्रामैक्स रियो था, जिसके सभी सदस्यों को बचा लिया गया। ये ऑयल टैंकर था। इसमें 23 भारतीय नागरिक सवार थे, सबको सुरक्षित बचा लिया गया है। एक घायल भारतीय नागरिक का उपचार चल रहा है।

समस्या के समाधान के लिए भारत के सुझाए विकल्प की ओर ध्यान दिलाते हुए जायसवाल ने कहा, 'ये हमले वाणिज्यिक जहाजों और हमारे लोगों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

और हमें इससे चिंता होती है। हम आह्वान करते हैं कि कूटनीति और संवाद का रास्ता अपनाया जाए ताकि शांति लौटे। हमारे नाविक समुदाय को टारगेट करना ठीक नहीं है। हमारा मानना है कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पर नौ परिवहन चलते रहना चाहिए।

मतदाता अधिकारों से कोई न हो वंचित, चुनाव आयोग पारदर्शिता सुनिश्चित करे: सीबीसीआई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) ने देशभर में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। सीबीसीआई ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों में सामने आए तथ्यों ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और मतदाताओं के अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

सीबीसीआई ने जोर देकर कहा कि किसी भी वैध मतदाता को उसके संवैधानिक मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। संगठन ने चुनाव आयोग से अपील की कि एसआईआर प्रक्रिया को पूरी तरह स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न हो।

सीबीसीआई ने कहा कि मताधिकार से वंचित किए जाने की घटनाएं कभी भी लोकतंत्र में सामान्य स्थिति नहीं बननी चाहिए। ऐसा होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक प्रवृत्ति साबित हो सकता है।

संगठन के अनुसार, किसी भी मजबूत लोकतंत्र की नींव चुनावी संस्थाओं पर जनता के भरोसे पर टिकी होती है, इसलिए यह चुनाव आयोग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वह चुनावी संस्थाओं पर जनता के विश्वास को बनाए रखे और प्रत्येक पात्र नागरिक की आवाज की रक्षा सुनिश्चित करे। सीबीसीआई ने कहा कि लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों की हर स्तर पर रक्षा होनी चाहिए और चुनाव आयोग को किसी भी प्रकार के पक्षपात या राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर कार्य करना चाहिए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415